www.tamsasanket.com
वर्षः 30 || अंक 282 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
07 जनवरी 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:56
सूर्यास्तः 05:28
अधिकतमः 18°00
न्यूनतमः 08°00

पेज 07

विशेष समाचार
मुनरो सिद्धांत की ओर झुकती ... >>पेज 04
डिप्टी सीएम के सामने पहुंचा ... >>पेज 06
प्रभास की द राजा साब को ...

हर पांचवां वोटर लिस्ट से बाहर, इनमें 46 लाख मृत लोगों के नाम, 12.55 करोड़ वोटर बचे

यूपी एसआईआर ड्राफ्ट लिस्ट में 2.89 करोड़ नाम कटे

दावे के लिए फॉर्म 6 और आपत्ति के लिए फॉर्म 7 भरे जाएंगे। इसकी फीस नहीं लगेगी। आयोग ने हेल्पलाइन नंबर- 1950 जारी किया है, जहां से सहायता ली जा सकती है। शहरी क्षेत्रों में कम सहयोग को देखते हुए आयोग ने विशेष कैंप लगाने की योजना बनाई है। 6 मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी।

पुनरीक्षण

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । यूपी में SIR की ड्राफ्ट लिस्ट जारी हो गई है। इसमें 2.89 करोड़ (18 फीसदी) नाम कट गए हैं। इनमें 46.23 लाख मृत, 2.17 करोड़ लोग शिफ्टेड और 25.47 लाख डुप्लीकेट वोटर शामिल हैं। पहले प्रदेश में 15.44 करोड़ वोटर थे, अब 12.55 करोड़ मतदाता बचे हैं। लखनऊ में सबसे ज्यादा 12 लाख, जबकि ललितपुर में सबसे कम 95 हजार लोगों के नाम कटे। वोटर चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर ड्राफ्ट मतदाता सूची में अपना नाम देख सकते हैं। जिन लोगों के नाम नहीं हैं, वे 6 फरवरी तक दावे-आपत्तियां कर सकते हैं। फॉर्म 6 या 7 भरकर नाम जुड़वा सकते हैं। यूपी से पहले 11 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की SIR ड्राफ्ट वोटर लिस्ट आ चुकी है। इनमें 3.69 करोड़ वोटर्स के नाम हटे हैं।

चंदौली SIR के बाद चारों विधान-सभाओं में कुल 12,58,735 मतदाता वैध पाए गए हैं। 2,30,086 लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ड्राफ्ट मतदाता सूची की जानकारी दी।

यूपी में एसआईआर की पहली ड्राफ्ट लिस्ट

एसआईआर से पहले मतदाताः 15 करोड़ 44 लाख
एसआईआर में अब नाम कटेः 2.89 करोड़
अब वोटरः 12 करोड़ 55 लाख
मृतः 46.23 लाख
शिफ्टेडः 2.17 करोड़
डुप्लीकेटः 25.47 लाख

यूपी में सबसे ज्यादा 12 लाख वोटर लखनऊ में कटे

लखनऊ। लखनऊ में SIR की ड्राफ्ट लिस्ट जारी हो गई है। इसमें 12 लाख 138 नाम मतदाता सूची से कट गए हैं। यह संख्या जिले के कुल मतदाताओं का 30.04 प्रतिशत है। यानी कि राजधानी में हर तीसरा मतदाता अब वोटिंग सिस्टम का हिस्सा नहीं रहा है। SIR डाटा के अनुसार लखनऊ जिले में कुल 39,94,535 मतदाता पहले से एनरोल्ड थे। इनमें 27,94,397 पुरुष और 12,82,242 महिला मतदाता शामिल हैं। लेकिन गहन सत्यापन प्रक्रिया के दौरान बड़ी संख्या में नाम अलग-अलग कारणों से सूची से कट गए।

पहले से एनरोल्ड और अन्य कैटेगरी का ब्योरा

डाटा के अनुसार 49,046 वोटर (1.23%) पहले से किसी अन्य स्थान पर एनरोल्ड पाए गए, जबकि 59,290 वोटर (1.48%) को 'अन्य' कैटेगरी में रखा गया है। इसके अलावा 3.21 प्रतिशत वोटरों को तकनीकी या विशेष श्रेणी में दर्ज किया गया। इन सभी को जोड़ने पर लखनऊ में कुल 12,00,138 मतदाता सूची से बाहर हुए, जो कुल मिलाकर 30.04 प्रतिशत बैठता है।

यूपी के 10 जिले जहां सबसे ज्यादा नाम कटे

जिला	पहले मतदाता	अब मतदाता	कितने % कटे
लखनऊ	3994535	2794397	30.05
गाजियाबाद	2837991	2019852	28.83
बलरामपुर	1583027	1171826	25.98
कानपुर नगर	3538261	2636111	25.50
मेरठ	2699820	2034183	24.66
प्रयागराज	4692860	3536554	24.64
गौतमबुद्धनगर	1865673	1418201	23.98
आगरा	3600071	2763128	23.25
शाहजहांपुर	2315538	1811616	21.76
बरेली	3405820	2691067	20.99

नोट- ये आंकड़े पहली ड्राफ्ट लिस्ट के मुताबिक हैं।

9 विधानसभा सीटों का आंकड़ा

SIR शीट के विधानसभा-वार आंकड़ों में भी राजधानी की सभी 9 विधानसभा सीटों पर मतदाता संख्या में कमी दर्ज की गई है। सरोजनी नगर में सबसे ज्यादा करीब 70 हजार, बक्शी का तालाब में 55 हजार, मलिहाबाद में 45 हजार, मोहनलालगंज में 37 हजार और लखनऊ पश्चिम व उत्तर में करीब 30-30 हजार वोटर घटे हैं। लखनऊ पूर्व, मध्य और कैंट सीटों पर भी 24 से 27 हजार तक मतदाता कम हुए हैं। इससे साफ है कि शहर से लेकर कस्बों में वोटर बेस कमजोर हुआ है।

चुनावी गणित पर पड़ेगा सीधा असर

वरिष्ठ पत्रकार आशीष सिंह ने बताया कि कि इतनी बड़ी संख्या में वोटरों के बाहर होने से राजधानी का चुनावी गणित पूरी तरह बदल सकता है। कम वोटर वाले चुनाव में संगठित और कोर वोट बैंक को फायदा मिल सकता है, जबकि बिखरे समर्थन वाली पार्टियों को नुकसान उठाना पड़ सकता है। खासकर शहरी सीटों पर जीत-हार का अंतर बेहद कम रहने की आशंका है। यूपी SIR की पहली ड्राफ्ट सूची में ललितपुर में सबसे कम कम नाम कटे। यहां कुल 95450 मतदाताओं के नाम कट गए। पहले यहां 9.58 लाख मतदाता थे, जो अब 8.63 लाख बचे।

एसआईआर में दूसरी सबसे बड़ी और चिंताजनक श्रेणी अनट्रेसेबल मतदाताओं की है। राजधानी में 4,27,705 वोटर (10.71%) ऐसे पाए गए, जिनका भौतिक सत्यापन के दौरान कोई ठोस पता नहीं मिल सका। यह श्रेणी प्रशासनिक व्यवस्था और मतदाता प्रबंधन पर सीधे सवाल खड़े करती है।

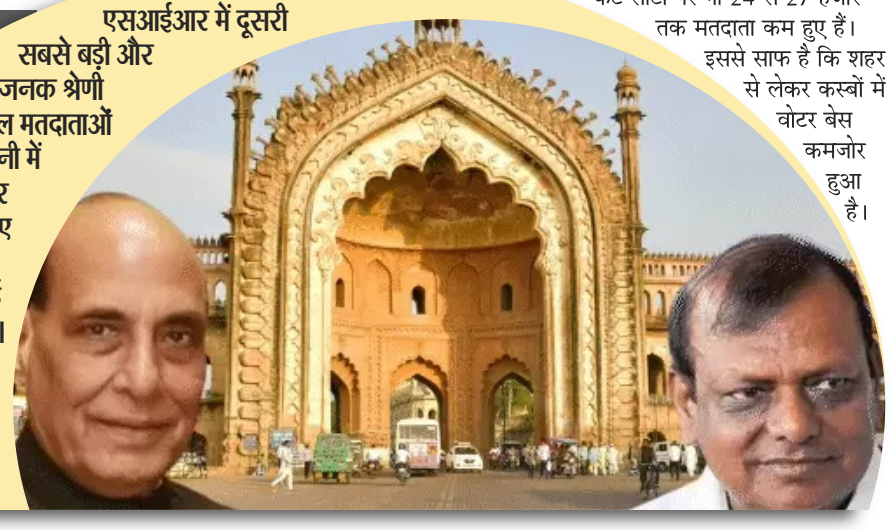

सपा ने कहा- अब चुनाव आयोग मतदाताओं का नाम जोड़ने का काम करे

समाजवादी पार्टी के नेता रविदास मेहरोत्रा ने मतदाता सूची मुद्दे पर कहा, यूपी में SIR लागू होने के बाद 2.89 करोड़ लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं। वोटर लिस्ट से कोई और नाम जोड़ा नहीं गया है। चुनाव आयोग का काम हर वोटर का नाम लिस्ट में शामिल करना है। लेकिन बड़े पैमाने पर लोगों के नाम वोटर लिस्ट से हटा दिए गए हैं, अब चुनाव आयोग को चाहिए कि फॉर्म 6 भरने प्रक्रिया शुरू करे।

फास्ट न्यूज

खड़गे बोले- मोदी ट्रम्प के आगे क्यों झुक रहे

नई दिल्ली । कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों को लेकर सोमवार को पीएम मोदी पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा- मैं नहीं समझ पा रहा कि मोदी ट्रंप के सामने क्यों झुक रहे हैं।

आदेश इजाजत

कार्तिगई दीपम विवाद, हाईकोर्ट ने दीप जलाने की परमिशन दी

चेन्नई । तमिलनाडु के मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने मंगलवार को तिरुप्परनकुंड्रम मंदिर में पहाड़ी पर दरगाह के पास दीपस्तंभ (दीपथून) पर दीप जलाने की इजाजत दे दी है। जस्टिस जी जयचंद्रन और जस्टिस केके रामकृष्णन की बेंच ने जस्टिस जी.आर. स्वामीनाथन के सिंगल बेंच का फैसला बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि दीप जलाने के मुद्दे को राजनीतिक रंग दिया गया, जबकि यह लंबे समय से चली आ रही धार्मिक परंपरा से जुड़ा मामला है। कोर्ट ने कहा कि जिला प्रशासन को इस मामले को समुदायों के बीच संवाद और समन्वय के अवसर के रूप में देखना चाहिए था।

सिद्धारमैया कर्नाटक के सबसे लंबे कार्यकाल वाले सीएम बनेंगे

बेंगलुरु । कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया राज्य के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले नेता बनने जा रहे हैं। वे 7 जनवरी को यह रिकॉर्ड अपने नाम कर लेंगे। उन्होंने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद पर 2,792 दिन पूरे कर लिए हैं। इसी के साथ उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री देवराज उर्स के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है।

हम सावरकर की विचारधारा को मानते हैं : आशीष सेलार

सहयोगियों से भी इसी की उम्मीद करते हैं

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई । महाराष्ट्र सरकार में IT मंत्री और बीजेपी विधायक आशीष सेलार ने मंगलवार को कहा कि पार्टी सावरकर की विचारधारा को मानती है। उन्होंने कहा कि BJP अपने सहयोगियों से हिंदुत्व विचारक विनायक दामोदर सावरकर का सम्मान करने की उम्मीद करती है।

इस बयान के बाद उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के नेतृत्व वाली NCP ने कहा कि हम अंबेडकरवादी विचारधारा के को मानते हैं। उसी पर चलेंगे। वहीं सोमवार शाम को नांदेड़ की रैली में ओवैसी ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी और उसके

हम अंबेडकरवादी विचारधारा के -एनसीपी

सहयोगी वक्फ अधिनियम के माध्यम से मुस्लिम धार्मिक संस्थानों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्हें वोट ना दें।

एनसीपी नेता अमोल मिटकरी ने कहा- इस जिद में कितनी सच्चाई है, यह सिर्फ आप जानते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

मणिपुर में तीन घंटे में दो आईईडी ब्लास्ट 2 घायल

इंफाल । मणिपुर सरकार ने बिष्णुपुर जिले में लगातार दो धमाकों की घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (NIA) को सौंप दी है। सोमवार को हुए इन ब्लास्ट में एक महिला समेत दो लोग घायल हो गए थे। ये धमाके स्थानीय स्तर पर बनाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (IED) से किए गए थे।

घटना में शामिल दोषियों को पकड़ने के लिए मंगलवार को लगातार दूसरे दिन भी आस-पास के इलाकों में तलाशी अभियान जारी रहा। सोमवार को फौगाकचाओ इखाई पुलिस स्टेशन इलाके के नगाउकोन गांव में 5:45 बजे एक खाली पड़े घर में IED ब्लास्ट हुआ। मई 2023 में मणिपुर में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से इस घर का परिवार फिलहाल केइबुल लामजाओ के एक रिलीफ कैंप में रह रहा है। पहला धमाका होने के बाद जब गांव वाले मौके पर जमा हुए, तो करीब 200 मीटर दूर पर 8:45 बजे दूसरा ब्लास्ट हुआ।

यूपी में ट्रेन में बम की खबर, इंस्पेक्टर ने डंडे से खींचा संदिग्ध बैग, केरल में 12 देसी बम बरामद

गुजरात-कर्नाटक में 7 कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

बम की धमकी के बाद सूरत कोर्ट परिसर को खाली कराया गया।

जांच

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। गुजरात, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में मंगलवार को अलग-अलग जगहों पर बम से उड़ाने की धमकियां मिलीं। गुजरात की छह कोर्ट, उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे स्टेशन पर ट्रेन और कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को धमकी दी गई। सभी मामलों में पुलिस और बम स्क्वॉड ने मौके पर जांच की, लेकिन किसी भी कोर्ट या ट्रेन से कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली।

वहीं, केरल के कन्नूर जिले में पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों से 12 देसी विस्फोटक उपकरण बरामद किए हैं। सभी मामलों की जांच की जा रही है। अहमदाबाद ग्रामीण न्यायालय को सोमवार को भी धमकी का एक ईमेल मिला था। एक अज्ञात व्यक्ति ने न्यायालय की ईमेल आईडी पर ईमेल भेजकर कोर्ट रूम को उड़ाने की धमकी दी थी। >> (शेष पेज 06 पर)

गुजरात में 6 कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी

गुजरात में हाईकोर्ट और 5 लोकल कोर्ट को आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी मिली। सूरत की कोर्ट के ऑफिशियल ईमेल पर सोमवार रात 2 बजे धमकी भरा ईमेल आया था। सुबह जब कर्मचारियों ने ईमेल चेक किया तो पुलिस को सूचना दी। आणंद, राजकोट, अहमदाबाद और भरूच के सेशन कोर्ट को इसी तरह का ईमेल मिला। हालांकि, बम स्क्वॉड की जांच में कोर्ट से कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली। पुलिस के अनुसार, यह धमकी एलटीटीई (लिबरेशन टाइगर ऑफ तमिल ईलम) के नाम से दी गई है।

विरोध : यूनिवर्सिटी बोली - नफरत फैलाने की प्रयोगशाला नहीं बनने देंगे, आरोपी छात्र सस्पेंड होंगे

जेएनयू में नारे : मोदी शाह की कब्र खुदेगी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली की जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (JNU) में सोमवार रात कुछ छात्रों ने पीएम मोदी और अमित शाह के खिलाफ विवादित नारे लगाए। नारेबाजी का 35 सेकेंड का वीडियो मंगलवार को सामने आया। यह अब वायरल हो रहा है। वीडियो में छात्र 'मोदी-शाह की कब्र खुदेगी, जेएनयू की धरती पर' नारे लगाते और गाते दिखे। BJP प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने दावा किया है कि JNU में यह प्रदर्शन उमर खालिद-शरजील के समर्थन में हुआ। यह विरोध प्रदर्शन नहीं, बल्कि राष्ट्रविरोधी विचारधारा का प्रसार है। कांग्रेस ने कहा है कि यह

वीडियो 35 सेकेंड का है। बताया जा रहा है कि 5 जनवरी 2026 को इसे JNU कैंपस में रिकॉर्ड किया गया था।

गुस्सा जाहिर करने का एक तरीका है। दरअसल, एक दिन पहले 2020 दिल्ली दंगों की साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम को जमानत देने से इनकार किया था। JNU स्टूडेंट्स यूनियन की अध्यक्ष अदिति मिश्रा ने कहा कि हर साल छात्र 5 जनवरी 2020 को कैंपस में हुई हिंसा की निंदा करने के लिए विरोध प्रदर्शन करते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

> वहीं जेएनयू प्रबंधन ने कहा- हम इस मामले पर सख्त कार्रवाई करेंगे। यूनिवर्सिटी को नफरत फैलाने वाली प्रयोगशाला नहीं बनने देंगे। यूनिवर्सिटी ने कहा कि मामले में पहले ही एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। हिंसा, गैर-कानूनी आचरण या राष्ट्रीय एकता को कमजोर करने वाली गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

जेएनयू प्रशासन बोला- यह कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन

ऐसे नारे लोकतांत्रिक विरोध के खिलाफ है, JNU के कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करते हैं। इससे सार्वजनिक व्यवस्था, कैंपस की शांति व सुरक्षा माहौल को नुकसान पहुंच सकता है। नारे स्पष्ट रूप से सुनाई दे रहे थे, जानबूझकर लगाए गए और बार-बार दोहराए गए, जिससे यह साफ होता है कि यह सोच-समझकर किया गया गलत काम था। यह अनुशासन, नियमों और यूनिवर्सिटी कैंपस के शांतिपूर्ण माहौल की जानबूझकर की गई अवहेलना है।

कांग्रेस ने मोदी-ट्रम्प का एआई वीडियो किया पोस्ट

लिखा- मोदी के डर का खामियाजा देश भुगत रहा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को पीएम मोदी और ट्रम्प का 43 सेकेंड का AI जनरेटेड वीडियो X पर पोस्ट किया। कैप्शन में लिखा है, 'मोदी के डर का खामियाजा देश भुगत रहा है।'

वीडियो में मोदी और ट्रम्प को कॉल पर बात करते हुए दिखाया गया है। पीएम, ट्रम्प से बोलते है कि जैसा-जैसा आप बोलेंगे मैं वैसा-वैसा करूंगा। इससे पहले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारत के रूस से तेल आयात कम करने को लेकर बयान दिया था। ट्रम्प ने 5 जनवरी को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि भारत ने यह फैसला उन्हें खुश करने के लिए लिया। ट्रम्प ने कहा-वे मुझे खुश करना चाहते थे। प्रधानमंत्री मोदी बहुत अच्छे इंसान हैं।

वह जानते थे कि मैं खुश नहीं था, इसलिए मुझे खुश करना जरूरी था। हम व्यापार करते हैं और उन पर टैरिफ बढ़ा सकते हैं।

कांग्रेस नेता बोले- क्या ट्रम्प पीएम को किडनैप करेंगे

>> (शेष पेज 06 पर)

500 में बस से लखनऊ के दर्शन करिए, 3 घंटे में विधानसभा और रेजीडेंसी घुमाएगी, नाश्ता भी मिलेगा, मंत्री ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ दर्शन बस सेवा लॉन्च

66 बस से घूमने आए रामजी द्विवेदी ने कहा- इस दर्शन बस सेवा से बहुत खुशी हुई। अभी तक जहां हम कभी नहीं जा सकते थे, वहां भी हमें दिखाया, घुमाया जाएगा। विधानसभा घूमने के लिए मैं बहुत एक्साइटेड हूं। मुझे वहां की सारी चीजें इसी बस से घूमने की वजह से जानने को मिल जाएंगी।

सुविधा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । राजधानी में लखनऊ दर्शन बस सेवा लॉन्च हो गई है। यह राजभवन से चलकर जीपीओ होते हुए पुराने लखनऊ पहुंचेगी। नवाबों के ऐतिहासिक स्थलों को घुमाते हुए वापस हजरतगंज लौटेगी। यहां विधानसभा के पास रुकेगी। पर्यटकों को 500 रुपए में करीब 12 स्थल देखने को मिलेंगे और 3 जगहों पर 30-40 मिनट रुकेगी, जिससे लोग वहां आराम से घूम भी सकें।

6 दिसंबर को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर ने इस डबल डेकर बस का 1090 चौराहे से उद्घाटन किया। बस करीब 3 घंटे में पूरे लखनऊ का भ्रमण कराएगी। इसी बीच यात्रियों को एक बार लाइट स्नैक्स (हल्का नाश्ता) दिया जाएगा। 5 से 12 साल तक बच्चों के लिए टिकट में 100 रुपए की छूट है। यानी उनको 400 रुपए में ही लखनऊ घूमने को मिल जाएगा। उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (UPSTDC) के अनुसार, दर्शन बस के टिकट में रेजीडेंसी और उत्तर प्रदेश दर्शन पार्क का प्रवेश टिकट का दाम जुड़ा हुआ है। साथ ही विधान सभा भवन में विशेष प्रवेश की व्यवस्था भी की गई है। यानी 500 रुपए का बस का टिकट लेने के बाद किसी भी स्थल का पहले से लगने वाला टिकट नहीं लेना होगा। मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि यह डबल डेकर इलेक्ट्रिक बस उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड की है। यह दो शिफ्ट में चलेगी। बस के टिकट upstdc.co.in से ऑनलाइन भी बुक किए जा सकते हैं। बस में फर्स्ट एड बॉक्स रखा गया है। अगर कोई आपात स्थिति आती है तो उसके लिए नजदीकी अस्पताल की मदद ली जाएगी। बस के टूरिस्ट गाइड शशांक श्रीवास्तव ने बताया- लखनऊ दर्शन बस में 31 जनवरी तक टिकट में 10% का डिस्काउंट चल रहा है। जिन जगहों पर बस रुकेगी हम उनके बारे में बताएंगे। जैसे जीपीओ में बताएंगे कि कहां पर 'इंडियंस एंड डॉग्स आर नॉट अलाउड' लिखा था। रेजीडेंसी में क्या था और विधानसभा में क्या खास होता है। हजरतगंज के आकाश सिंह ने कहा- मैं बहुत ही कम समय और कम पैसे में परिवार के साथ लखनऊ घूम सकूंगा। यह बस सेवा सरकार की अच्छी पहल है। जहां वीआईपी पास के बिना कोई नहीं जा सकता वहां अब हम बिना वीआईपी पास के भी घूम सकेंगे।

बस डबल डेकर है। इसमें एक साथ 65 लोग यात्रा कर सकते हैं।

इन जगहों पर घुमाएगी बस

लखनऊ दर्शन बस राजभवन, जीपीओ और हजरतगंज के प्रमुख आकर्षणों से गुजरते हुए बेगम हजरत महल पार्क, ग्लोब पार्क और छतर मंजिल होते हुए रेजीडेंसी परिसर पहुंचेगी। रेजीडेंसी में 40 मिनट रुकेगी ताकि पर्यटक वहां घूम सकें। इसके बाद बस सिब्तैनाबाद इमामबाड़ा से होकर फिर हजरतगंज लौटेगी।

हजरतगंज में विधानसभा भवन का 40 मिनट का विशेष भ्रमण कराया जाएगा। आगे कैथेड्रल चर्च मार्ग से बस उत्तर प्रदेश दर्शन पार्क पहुंचेगी, जहां 30 मिनट रुकने का समय रहेगा। अंतिम चरण में बस अंबेडकर पार्क और गोमती रिवर फ्रंट से होते हुए वापस 1090 चौराहे पहुंचेगी। यहां पर्यटकों को उतार दिया जाएगा।

पहली शिफ्ट में सुबह 8:30 बजे चलेगी बस

लखनऊ दर्शन बस सेवा का संचालन सुबह 08:30 बजे से 11:30 बजे तक किया जाएगा। इस दौरान पर्यटकों को राजधानी की प्रमुख ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहरों का भ्रमण कराया जाएगा। UPSTDC ने पर्यटकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बस को सुबह और शाम दोनों शिफ्टों में चलाने का फैसला लिया है। 7 जनवरी से बस नियमित हो जाएगी।

मंत्री जयवीर सिंह ने बस का उद्घाटन किया।

फास्ट न्यूज

मोहनलालगंज में घर में लगी आग

मोहनलालगंज । मोहनलालगंज के हुलासखेड़ा मजरा पचौरी गांव में मंगलवार सुबह 5:30 बजे एक घर में अचानक आग लग गई। एक परिवार की पूरी गृहस्थी जलकर राख हो गई। आग लगते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत पानी और अन्य उपलब्ध संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास किया। आग पर काबू पाने से पहले ही घर का सारा सामान जल चुका था। गनीमत रही कि इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

कड़ाके की ठंड में इमरजेंसी में 35% मरीज बढ़े

लखनऊ । ठंड बढ़ने के साथ ही हाई ब्लड प्रेशर (बीपी) के मरीजों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। बड़ी संख्या में ऐसे मरीज बेचैनी और उलझन जैसी समस्याओं के साथ अस्पताल में पहुंच रहे हैं। बड़ी बात यह है कि शाम ढलने के बाद रात में इन मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

इनमें ज्यादातर ऐसे मरीज है जिन्हें पहले से बीपी और शुगर जैसी समस्याएं हैं। वहीं, एक्सपर्ट कहते है कि कुछ मरीजों में ये समस्या दवा के सेवन को लेकर की जाने वाली लापरवाही के चलते हो रही है।

अधेड़ की संदिग्ध हालात में मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ । लखनऊ के सरोजनी नगर में मंगलवार को एक अधेड़ मजदूर सड़क किनारे संदिग्ध हालात में मृत पाया गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है। वह अपनी पत्नी माया के साथ सरोजनी नगर की सैनिक सोसायटी कॉलोनी के पास घास-फूस की मड़ैया बनाकर रहता था।

फर्जी मुकदमे लगा रही है यूपी सरकार, वाम दलों का मार्च

कॉमरेड जीरा-सुधाकर पर एफआईआर का विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार को वामपंथी दलों ने परिवर्तन चौक से डीएम ऑफिस तक विरोध मार्च निकाला। कार्यकर्ता कॉमरेड जीरा भारतीय और सुधाकर यादव पर दर्ज किए गए फर्जी मुकदमों का विरोध कर रहे थे। नेताओं ने डीएम को चेतावनी दी कि यदि फर्जी मुकदमे वापस नहीं लिए गए और दमनकारी नीतियों पर रोक नहीं लगी, तो आंदोलन तेज किया जाएगा।

पार्टी कार्यकर्ताओं ने सरकार की नीतियों के खिलाफ नारेबाजी की और लोकतंत्र पर हमले का आरोप लगाया। कम्युनिस्ट नेता रमेश सिंह सेंगर ने कहा- भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर किया जा रहा है। मौजूदा हालात देश में अघोषित इमरजेंसी जैसे हैं, जहां असहमत आवाजों को दबाया जा रहा है। सेंगर बोले- सरकार दमनकारी नीतियों के जरिए विपक्षी विचारधाराओं को निशाना बना रही है। सुधाकर यादव समेत कई वामपंथी कार्यकर्ताओं पर फर्जी मुकदमे दर्ज किए गए हैं। उन्हें जानबूझकर जेल भेजा गया है, ताकि आंदोलन की आवाज़ को दबाया जा सके।बुलडोजर नीति संविधान और कानून के खिलाफ है। सेंगर ने आरोप लगाया कि बिना उचित कानूनी प्रक्रिया के लोगों के घर

इस दौरान महिलाओं कि सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए। न्यायालय द्वारा कुलदीप सिंह सेंगर को राहत दिए जाने पर नाराजगी जताई। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि ऐसे फैसलों से आम जनता का न्याय व्यवस्था पर भरोसा कमजोर होता है। कम्युनिस्ट नेताओं ने मांग की कि सभी मामलों में निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से न्याय हो।

अखिल भारतीय महिला विकास संस्थान के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात

महिलाओं को फिर सम्मान और सुरक्षा मिलेगी : अखिलेश यादव

अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में सरकार बनने पर महिलाओं को प्रतिवर्ष 40 हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जाएगी, जिससे एक करोड़ महिलाएं लाभान्वित होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्ववर्ती सरकार में समाजवादी पेंशन योजना के तहत 55 लाख महिलाओं को 500 रुपये प्रतिमाह दिया जाता था।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से मंगलवार को समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में अखिल भारतीय महिला विकास संस्थान के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट की। यह प्रतिनिधिमंडल प्रदेश सचिव अरविन्द यादव के नेतृत्व में पहुंचा था। प्रतिनिधियों ने शिक्षा, स्वास्थ्य और महिला सशक्तिकरण से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से रखा।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि वर्तमान भाजपा सरकार के कार्यकाल में महिलाओं को अपेक्षित सहयोग नहीं मिल पा रहा है। महिलाओं ने कहा कि उनका जीवन असुरक्षित हो गया है और समाजवादी सरकार के समय चल रही कन्या विद्याधन, महिला पेंशन जैसी जनकल्याणकारी योजनाएं बंद कर दी गई हैं। आशा ज्योति केंद्रों में मानदेय न मिलने और पिछड़ी, दलित व मुस्लिम महिलाओं को मिलने वाली सहायता समाप्त होने पर भी चिंता जताई गई।

महिलाओं ने वर्ष 2027 में अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी सरकार बनाने का संकल्प दोहराते हुए कहा कि उन्हें पूरा भरोसा है कि सत्ता में आने पर महिलाओं के हित में योजनाएं दोबारा लागू की जाएंगी।

इस अवसर पर अखिलेश यादव ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि समाजवादी सरकार बनने पर महिलाओं की सभी जायज मांगें पूरी की जाएंगी। उन्होंने याद दिलाया कि पिछली समाजवादी सरकार में महिलाओं की सुरक्षा के लिए 1090 वूमेन पावर लाइन, 108 और 102 एंबुलेंस सेवा, डायल-100, मुफ्त इलाज, मल्टी न्यूट्रिशन मिशन जैसी योजनाएं शुरू की गई थीं। साथ ही छात्रों को लैपटॉप वितरित किए गए थे। भेंट करने वालों में अभिलाष सिंह, सुधीर कुमार, रेणु सिंह, अवनीत कौर, दीपिका, अनिता चौधरी, कुसुम गौतम, सुषमा गौतम, अर्चना, सुखरानी कनौजिया, प्रभा देवी और सोनी सहित कई महिलाएं शामिल रहीं।

पवन सिंह की बर्थडे पार्टी में बवाल

फैंस-सुरक्षाकर्मियों में हाथापाई, बाहुबली धनंजय ने केक कटवाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में भोजपुरी स्टार पवन सिंह की बर्थडे पार्टी में बवाल हो गया। पवन सिंह के स्टेज पर पहुंचने से पहले फैंस बेकाबू हो गए। एक युवक स्टेज पर चढ़ गया। सुरक्षाकर्मियों ने उसे धकेल दिया, जिसके बाद हाथापाई हो गई। वहां मौजूद लोगों ने किसी तरह मामला शांत कराया। हंगामे के थोड़ी देर बाद पवन सिंह पहुंचे। हालांकि, स्टेज पर चढ़ने वाला युवक कौन था, इसके बारे में पता नहीं चल पाया है। दरअसल, भोजपुरी स्टार ने सोमवार को अपने 40वें जन्मदिन पर सुशांत गोल्फ सिटी के होटल सेंट्रम में पार्टी दी। इस दौरान उनकी मां ने स्टेज पर उनके गले में चेन पहनाई तो पवन भावुक हो गए। उन्होंने कहा- अब मैं कुछ भी हासिल कर लूंगा। मां है तो जीवन है, मां नहीं तो कुछ नहीं, मां ही सब कुछ है। पार्टी में जौनपुर के पूर्व सांसद धनंजय सिंह भी शामिल हुए। उन्होंने पवन सिंह का बर्थडे केक कटवाया। दोनों ने एक-दूसरे को केक खिलाया। धनंजय सिंह ने पवन और उनकी मां के साथ तस्वीरें भी खिंचवाईं। भाजपा नेता शाहनवाज हुसैन पवन सिंह को जन्मदिन की बधाई देने बिहार से लखनऊ पहुंचे। इस दौरान पवन सिंह ने शाहनवाज हुसैन के पैर छुए।

एक दिन पहले पवन सिंह की एक महिला के साथ तस्वीरें सामने आई थीं, जिनमें वह महिला के साथ केक काटते नजर आए थे। महिला की मांग में सिंदूर लगा हुआ था। इसके बाद सोशल मीडिया पर पवन सिंह की तीसरी शादी को लेकर चर्चाएं होने लगी हैं। नए साल पर पवन सिंह पटना छोड़कर अपनी मां के साथ लखनऊ शिफ्ट हुए हैं। मैं एक चेन पहनता था, जिसमें हनुमान जी का लॉकेट था। वह चोरी हो गया था। आज मेरी मां मुझे फिर से आशीर्वाद दे रही हैं।

लड़खड़ाते दिखे, महिला ने संभाला

पवन सिंह का 5 जनवरी को केक काटते हुए एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह लड़खड़ाते हुए दिखाई दे रहे हैं। उनके पास एक महिला खड़ी है। महिला की मांग में सिंदूर है। पवन सिंह पहले केक के हाथ जोड़ते हैं, फिर उसे काटने के लिए चाकू उठाते हैं। इस दौरान पवन सिंह हिलते रहते हैं। पास खड़ी महिला उन्हें संभालती है। फिर पवन सिंह अपना एक हाथ महिला के कंधे पर रखते हैं। दूसरे से महिला का हाथ पकड़ते हैं और केक काटते हैं। सोशल मीडिया पर ये वीडियो अब चर्चा में हैं। लोग कह रहे हैं कहीं ये तीसरी वाली तो नहीं। पवन सिंह ने शादी कर ली है, इस तरह की बातें भी कही जा रही हैं।

धनंजय ने लिखा- प्रिय अनुज ईश्वर तुम्हें स्वस्थ रखें

पवन सिंह की पार्टी में धनंजय सिंह के अलावा चंदौली से भाजपा विधायक सुशील सिंह और जौनपुर से एमएलसी बृजेश सिंह प्रिंसू भी नजर आए। धनंजय सिंह ने बर्थडे पार्टी की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा- प्रिय अनुज पवन सिंह को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। ईश्वर तुम्हें स्वस्थ रखें और दीर्घायु बनाएं।

कल्याण सिंह कैंसर संस्थान में पेट स्कैन जांच शुरू

तमसा संकेत, एजेंसी

मरीजों के लिए राहत भरी खबर, प्राइवेट से कम कीमत पर होगी जांच

लखनऊ । लखनऊ के कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर संस्थान में अब PET स्कैन जांच शुरू हो गई है। संस्थान के निदेशक प्रो. एमएलबी भट्ट ने मंगलवार को इसका शुभारंभ किया। कैंसर संस्थान में यह जांच करीब 11 हजार में होगी। निजी सेंटर पर इसकी फीस 20 हजार रुपए के करीब है। संस्थान के चिकित्सा अधीक्षक डॉ.वरुण विजय ने बताया- डिजिटल PET सीटी स्कैनर की सहायता से कैंसर रोगियों में कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी के प्रति रोग की प्रतिक्रिया का आकलन ज्यादा सटीक और प्रभावी ढंग से किया जाता है। अभी तक संस्थान में इस जांच की व्यवस्था नहीं थी। इसकी वजह से मरीजों को निजी केंद्रों पर भेजा जाता था। पेट स्कैन जांच के लिए आयुष्मान भारत के लाभार्थियों के लिए 10,450 रुपए फीस रखी गई है। इसके अलावा अन्य योजनाओं के लिए करीब 11 हजार रुपए फीस तय की गई है। इस मौके पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन से डॉ. आरएस यादव के साथ ही संस्थान के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विजेंद्र कुमार और न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता उपस्थित रहे।

जांच : जिम्मेदार बोले- शिकायत कर दो में जांच के लिए 3 बार काउंटर से लौटाया

केजीएमयू में जांच के लिए 3 बार काउंटर से लौटाया

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । 'बच्ची को पीलिया होने के बाद गंभीर हालत में बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया था। इलाज के दौरान डॉक्टर ने जांच लिखी। जांच का सैंपल लेकर जमा करने KGMU आए। यहां कोई सुनवाई नहीं हो रही। कई घंटे से परेशान हैं। काउंटर पर बैठे लोग कुछ भी सुनने को तैयार नहीं हैं। बोलते हैं- जिससे शिकायत करनी हो कर दो।'

यह कहना है अमेठी के संग्राम गढ़ निवासी श्रीकांत का। वह अपनी बेटी का इलाज कराने लखनऊ आए हैं। बलरामपुर अस्पताल से खून की जांच कराने पहुंचे श्रीकांत को बिना जांच के ही तीन बार वापस लौटना पड़ा।

आरोप है कि KGMU में उनके मरीज के खून की जांच का नमूना तब तक नहीं लिया गया, जब तक वरिष्ठ डॉक्टरों ने हस्तक्षेप नहीं किया। महज पर्चे का फार्मेट ठीक न होने की बात कह KGMU के कर्मचारी लौटाते रहे और परिजन बलरामपुर अस्पताल से KGMU तक चक्कर लगाते रहे। पीड़ित श्रीकांत ने कहा- सुबह से लेकर दोपहर तक बलरामपुर अस्पताल से KGMU के तीन चक्कर लगा चुके हैं।

मामा बोले- पर्चे में डबल मुहर पर नहीं जमा किया सैंपल

बच्ची के मामा हिमांशु ने बताया- 5 साल की नन्ही भांजी का बलरामपुर अस्पताल से इलाज चल रहा है, इस दौरान खून की कुछ जांचों के लिए KGMU भेजा गया, लेकिन KGMU में बड़ी पैथोलॉजी पर खून का नमूना जमा नहीं हो पाया। वहां काउंटर पर मौजूद कर्मचारियों का कहना था कि जिस पर्चे पर मोहर लगी है। इस तरह का फार्मेट KGMU में स्वीकार्य नहीं है।

हिमांशु ने बताया- केवल पर्चे के फार्मेट के लिए तीन बार बलरामपुर जाना पड़ा। दोनों पर्चे पर डबल मुहर लगाई। फिर भी KGMU में काउंटर में बैठे लोग मानने को तैयार नहीं है। अब इससे ज्यादा क्या कर सकते हैं। जब दोनों ही सरकारी संस्थान है, तो ऐसे में ये समस्या नहीं होनी चाहिए। मैंने जब उनसे कहा कि इसकी शिकायत करेंगे, तो काउंटर पर बैठा व्यक्ति बोला- जिससे कहना है शिकायत कर दो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।

सरकारी अस्पतालों से जांच के लिए सैंपल भेजे जाते हैं

लखनऊ के तमाम सरकारी अस्पतालों में माइक्रोबायोलॉजी और पैथोलॉजी की कुछ जांचें स्थानीय स्तर में अस्पताल में नहीं हो पाती हैं। ऐसे मामलों में अस्पताल के पैथोलॉजी से ब्लड सैंपल लेकर KGMU के पैथोलॉजी विभाग की लैब में भेजा जाता है। वहां पर विभाग के बलरामपुर अस्पताल में नहीं हो पाती हैं, ऐसे में उन जांचों के लिए मरीज का सैंपल KGMU भेजा जाता है। आम तौर पर मरीज के परिजन या तीमारदार ही सैंपल जमा करने के लिए आते हैं।

राजधानी में बनेगा राष्ट्र प्रेरणा स्थल में किड्स जोन

2 एकड़ जमीन पर फूड कोर्ट-झूले लगेंगे, एलडीए तैयार कर रहा प्रस्ताव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में वसंत कुंज योजना स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल अब सिर्फ म्यूजियम तक सीमित नहीं रहेगा। यहां आने वाले बच्चों के लिए किड्स जोन विकसित किया जाएगा। LDA प्रेरणा स्थल के करीब 65 एकड़ क्षेत्रफल में से लगभग 2 एकड़ में किड्स जोन तैयार करने की योजना बना रहा है।

किड्स जोन को लेकर जल्द ही संचालन समिति की पहली बोर्ड बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। समिति की स्वीकृति के बाद योजना को जमीन पर उतारा जाएगा। यह फैसला लोगों की ओर से मिले सुझावों के बाद लिया गया है। राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लिए गठित संचालन समिति में प्रमुख सचिव आवास पी. गुरु प्रसाद अध्यक्ष हैं। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार सचिव हैं। किड्स जोन के विकास को लेकर अगले महीने होने वाली बैठक में प्रस्ताव रखा जाएगा। जिसमें पूरे प्रोजेक्ट का खाका पेश किया जाएगा। प्रेरणा स्थल में आने वाले पर्यटकों और बच्चों को ध्यान में रखते हुए यहां नई सुविधाएं विकसित की जाएंगी। किड्स जोन में बच्चों के लिए हर तरह के झूले और खेलने की व्यवस्थाएं होंगी, ताकि वे खुलकर मस्ती कर सकें।

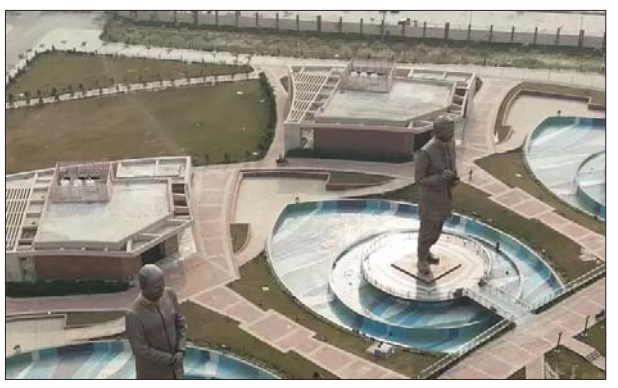

जिलाधिकारी ने युवाओं से अपील की, लोकतंत्र मजबूत करने के लिए हर युवा बने मतदाता

मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद के बी.एन.के.बी. डिग्री कॉलेज, अकबरपुर में आज मतदाता सूची के आलेख्य प्रकाशन और मतदाता पंजीकरण कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने विशेष रूप से युवाओं से अपील की कि वे 18 वर्ष की आयु पूरी करने के बाद अनिवार्य रूप से फॉर्म-6 भरकर अपना नाम मतदाता सूची में दर्ज कराएं। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्सना बंधु, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी अकबरपुर/निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी अकबरपुर, तहसीलदार अकबरपुर, महाविद्यालय के प्राचार्य और अध्यापकगण मौजूद रहे। बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होना केवल एक औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के प्रति नागरिक का सबसे बड़ा दायित्व है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जितनी अधिक शुद्ध, समावेशी और अद्यतन मतदाता सूची होगी, लोकतंत्र उतना ही सशक्त होगा। उन्होंने युवाओं से विशेष आग्रह किया कि अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के अनुसार जिनकी आयु 18 वर्ष पूरी हुई है या होने वाली है, वे फॉर्म-6 भरकर अपनी पंजीकरण प्रक्रिया पूरी करें। यह कदम उनके लिए लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी का पहला और सबसे महत्वपूर्ण अवसर है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व/उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्सना बंधु ने सभी से आग्रह किया कि वे स्वयं भी मतदाता बनें और अपने परिवार, मित्रों और आसपास के लोगों को भी मतदाता पंजीकरण के लिए प्रेरित करें।

मीडिया के माध्यम से जनसंपर्क

इस दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में जिला निर्वाचन अधिकारी ने मीडिया के माध्यम से जनपद के सभी पात्र नागरिकों से आग्रह किया कि वे मतदाता सूची का अवलोकन अवश्य करें। यदि किसी का नाम छूट गया हो, कोई त्रुटि हो या संशोधन की आवश्यकता हो, तो निर्धारित समय-सीमा के भीतर संबंधित फार्म भरकर उसे ठीक कराया जा सकता है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा, "एक भी पात्र मतदाता का नाम छूटना लोकतंत्र की क्षति है, और एक भी अपात्र नाम का शामिल होना निष्पक्ष चुनाव की चुनौती है। इसलिए जनसहयोग से ही मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाया जा सकता है।"

युवाओं में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के प्रयास

जिलाधिकारी ने कहा कि कई बार जानकारी के अभाव में पात्र युवा मतदाता सूची में नाम दर्ज नहीं कराते, जिससे वे अपने संवैधानिक अधिकार से वंचित रह जाते हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शैक्षणिक संस्थानों में विशेष मतदाता जागरूकता और पंजीकरण कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं।

उन्होंने शिक्षकों से भी अपील की कि वे छात्रों को मतदान के महत्व के बारे में नियमित रूप से मार्गदर्शन दें और समय रहते फॉर्म-6 भरने के लिए प्रेरित करें।

अयोध्या महोत्सव में संध्या सिंह को रक्त वीरांगना सम्मान

सामाजिक सेवा और रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान पर मिला सम्मान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सामाजिक सरोकारों और रक्तदान के क्षेत्र में लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहीं संध्या सिंह को अयोध्या महोत्सव में रक्त वीरांगना सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें अयोध्या में आयोजित महोत्सव के दौरान प्रदान किया गया, जहां समाजहित में विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करने वाले व्यक्तियों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। अयोध्या महोत्सव का आयोजन अयोध्या महोत्सव न्यास, उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग और जिला प्रशासन अयोध्या के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। कार्यक्रम में सहयोगी संस्था के रूप में रामकृष्ण सेवा फाउंडेशन, अयोध्या की सहभागिता रही। महोत्सव का उद्देश्य सांस्कृतिक गतिविधियों के साथ-साथ सामाजिक कार्यों में योगदान देने वाले लोगों को मंच प्रदान कर प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान संध्या सिंह को रक्त वीरांगना सम्मान भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं सांसद लक्ष्मी कांत बाजपेई, रुदौली विधानसभा क्षेत्र के विधायक रामचंद्र यादव तथा महोत्सव के आयोजक हरीश कुमार श्रीवास्तव द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

संध्या सिंह अंबेडकरनगर जनपद में सामाजिक कार्यों के लिए जानी जाती हैं। वे आरम्भ फाउंडेशन की अध्यक्ष हैं और बीते कई वर्षों से रक्तदान, स्वास्थ्य जागरूकता, जरूरतमंदों की सहायता और सामाजिक सेवा के विभिन्न कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। उनके प्रयासों से समय-समय पर रक्तदान शिविरों का आयोजन हुआ है, जिससे कई जरूरतमंदों को समय पर सहायता मिल सकी है। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि सामाजिक सेवा के क्षेत्र में निरंतरता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण कार्य है, लेकिन संध्या सिंह ने इस क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय रहकर उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनके कार्यों की पहचान केवल जनपद स्तर तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों में भी उनके प्रयासों की चर्चा होती रही है। इससे पहले भी उन्हें राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

फास्ट न्यूज

कड़ाके की ठंड से राहत

अंबेडकरनगर। जनपद में लगातार बढ़ती ठंड और गलन को देखते हुए जिला प्रशासन ने कक्षा आठ तक के विद्यार्थियों को बड़ी राहत दी है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने प्री-प्राइमरी से कक्षा आठ तक संचालित सभी विद्यालयों में शिक्षण कार्य स्थगित करने का आदेश जारी किया है। यह आदेश जिले के सभी सरकारी, गैर-सरकारी और मान्यता प्राप्त विद्यालयों पर समान रूप से लागू होगा।

सघन वाहन चेकिंग अभियान जारी

अम्बेडकरनगर। जनपद में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर 1 अप्रैल 2025 से सघन वाहन चेकिंग अभियान जारी है। अभियान के तहत अब तक सैकड़ों वाहनों की जांच की जा चुकी है और नियमों का पालन न करने वालों पर जुर्माना लगाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि आज 6 जनवरी 2026 को अभियान के तहत 50 वाहनों का चालान किया गया। इसी अभियान के दौरान 1 जनवरी 2026 से अब तक कुल 313 वाहनों का चालान किया गया है।

रामनगर सीएचसी में एनएचएम कर्मचारियों का वेतन संकट गहराया

अंबेडकर नगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर में कार्यरत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों का वेतन संकट लगातार गंभीर होता जा रहा है। कई महीनों से वेतन का भुगतान न होने के कारण कर्मचारियों में रोष व्याप्त है। स्थिति यह है कि कुछ कर्मचारियों को बीते दो से तीन माह से वेतन नहीं मिला है, जबकि कई कर्मचारियों का भुगतान पिछले छह माह से लंबित है।

पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर बड़ी रकम व जेवरात बरामद किया

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। मोहल्ला चमनगंज कस्बा इल्तिफातगंज में दिनांक 1 जनवरी 2026 की रात हुई चोरी के मामले में थाना इब्राहिमपुर पुलिस ने सक्रिय कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। मामले में वादिनी अजीबुनिंशा पत्नी अलीहसन ने थाना इब्राहिमपुर में तहरीर दी थी।

अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन और पुलिस महानिरीक्षक अयोध्या क्षेत्र के निर्देश के तहत पुलिस अधीक्षक अंबेडकरनगर के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी/पूर्वी के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी टाण्डा के नेतृत्व में थाना इब्राहिमपुर पुलिस ने तेज कार्रवाई की। मुखबिर की सूचना पर 6 जनवरी 2026 को ग्राम पूराबक्श राय के पास (बरूआ जलाकी-टाण्डा मार्ग) से अभियुक्त मोहम्मद अकराम पुत्र मोहब्बत अली निवासी कमरिया थाना कलवारी, जनपद बस्ती को गिरफ्तार किया गया।

घर में चोरी की घटना के बाद सक्रिय हुई पुलिस, आरोपी से 1.41 लाख रुपये नकद और बहुमूल्य जेवरात बरामद

गिरफ्तार अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने कुल 175.9 ग्राम पीली धातु और 1500 ग्राम सफेद धातु के जेवरात बरामद किए। इसके साथ ही 1,41,600 रुपये नकद भी बरामद किए गए। पुलिस ने इस कार्रवाई को गंभीरता से लेते हुए सभी आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की और आरोपी को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। अभियुक्त की गिरफ्तारी बड़े और तेजी से चल रहे अभियान का हिस्सा थी, जिसे अपराधियों के खिलाफ चलाए गए विशेष अभियान के तहत अयोध्या क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक ने निर्देशित किया था।

सपा नेता रजनीकांत यादव समेत तीन पर एफआईआर

आलापुर में पत्रकार की पिटाई का मामला दर्ज, जांच में जुटी पुलिस

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद के आलापुर क्षेत्र में पत्रकार के साथ मारपीट के मामले ने तूल पकड़ लिया है। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत पत्रकार रमेश मौर्य की तहरीर पर समाजवादी पार्टी नेता रजनीकांत यादव और उनके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि सरेआम बावली चौक पर पत्रकार के साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई, जिससे उन्हें गंभीर चोटें आईं।

पुलिस के अनुसार तेतरिया गांव निवासी पत्रकार रमेश मौर्य पुत्र बजरंगी मौर्य ने जहांगीरगंज थाने में दी गई तहरीर में बताया कि सोमवार दोपहर करीब 1:30 बजे वह नरियांव स्थित बावली चौक पर एक चाट की दुकान पर टिक्की खाने जा रहे थे। इसी दौरान लखनडीह गांव निवासी सपा नेता रजनीकांत यादव अपने दो अज्ञात साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस ने रमेश मौर्य को जहांगीरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजकर चिकित्सकीय परीक्षण कराया। पुलिस का कहना है कि मेडिकल रिपोर्ट को केस डायरी में शामिल किया जा रहा है। तहरीर के आधार पर सपा नेता रजनीकांत यादव और उनके दो अज्ञात साथियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

दुकान के अंदर खींचकर मारपीट का आरोप

तहरीर में आरोप लगाया गया है कि रजनीकांत यादव और उनके साथियों ने पहले गाली-गलौज की और फिर पत्रकार को जबरन दुकान के अंदर खींच लिया। वहां उन्हें मेज पर पटक कर लात-घूंसों से पीटा गया। मारपीट के दौरान उनकी कमर में गंभीर चोटें आईं। आरोप है कि इस दौरान उनका कोट क्षतिग्रस्त हो गया और मोबाइल फोन का स्क्रीन ग्लास भी टूट गया।

रमेश मौर्य के अनुसार जब आसपास मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया, तब वह पुलिस को सूचना देने के लिए सड़क की ओर बढ़े। इसी दौरान आरोपियों ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण को लेकर राजनीतिक दलों के साथ बैठक

मतदाता सूची पर 6 फरवरी तक दावे-आपत्तियां

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रवार फोटोयुक्त निर्वाचन नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनुपम शुक्ला ने की। बैठक का उद्देश्य भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार पुनरीक्षण कार्यक्रम की जानकारी साझा करना और राजनीतिक दलों से सहयोग सुनिश्चित करना रहा।

बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी कि विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूची का आलेख्य प्रकाशन कर दिया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि आलेख्य प्रकाशन की तिथि से लेकर 6 फरवरी 2026 तक मतदाता सूची से संबंधित दावे और आपत्तियां प्राप्त की जाएंगी। इस अवधि में पात्र नागरिक अपना नाम जोड़ने, संशोधन कराने अथवा अपात्र प्रविष्टियों पर आपत्ति दर्ज करा सकेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि निर्वाचन नामावली में नया नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म-6 का प्रयोग किया जाएगा। अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के अनुसार 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके सभी पात्र युवाओं का नाम मतदाता सूची में शामिल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले युवाओं पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे।

तीन दिन तक सांस्कृतिक और जनोपयोगी कार्यक्रमों की श्रृंखला

जिले में श्रवण धाम महोत्सव 2026 की तैयारियां तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। श्रवण धाम महोत्सव 2026 के भव्य आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। यह तीन दिवसीय महोत्सव 18 जनवरी से 20 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला के निर्देशन में कार्यक्रम को सुव्यवस्थित और सफल बनाने के लिए प्रत्येक कार्य के लिए अलग-अलग टीमों का गठन किया गया है। सभी टीमों के लिए नोडल अधिकारी नामित करते हुए स्पष्ट जिम्मेदारियां तय की गई हैं। अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

महोत्सव के पहले दिन 18 जनवरी 2026 को कार्यक्रमों की शुरुआत पूर्वाह्न 9 बजे हवन-पूजन से होगी। इसके पश्चात पूर्वाह्न 10 बजे स्थानीय कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी और महोत्सव का औपचारिक शुभारंभ किया जाएगा। अपराह्न 1 बजे से महिला सशक्तिकरण और मिशन शक्ति से जुड़े विभागीय कार्यक्रम आयोजित होंगे। अपराह्न 3 बजे से संस्कृति विभाग और स्थानीय कलाकारों द्वारा रामायण आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। अपराह्न 4 बजे से तमसा आरती और दीपोत्सव का आयोजन प्रस्तावित है। शाम 6 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रसिद्ध भजन गायक अनूप जलोटा की प्रस्तुति होगी।

महोत्सव के दूसरे दिन 19 जनवरी 2026 को पूर्वाह्न 10 बजे से किसान सम्मेलन और गोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। इसमें कृषि से जुड़े विषयों पर चर्चा होगी। अपराह्न 2 बजे से जिले के विभिन्न विद्यालयों के छात्र सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।

अपराह्न 4 बजे से संस्कृति विभाग और स्थानीय कलाकारों द्वारा रामायण आधारित कार्यक्रम और भजन प्रस्तुत किए जाएंगे। शाम 5 बजे से तमसा आरती का आयोजन होगा। इसके बाद शाम 6 बजे से प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास और उनकी टीम द्वारा कवि सम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जो इस दिन का मुख्य आकर्षण रहेगा।

महोत्सव के तीसरे और अंतिम दिन 20 जनवरी 2026 को कार्यक्रमों की शुरुआत पूर्वाह्न 8 बजे हाफ मैराथन से होगी।

जिला प्रशासन ने महोत्सव के दौरान सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, विद्युत, स्वास्थ्य और पेयजल व्यवस्था को लेकर संबंधित विभागों को सतर्क किया है। सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि कार्यक्रम स्थल और आसपास के क्षेत्रों में व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं, ताकि महोत्सव शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके।

कन्यादान योजना के तहत शिक्षकों को वितरित किए चेक

55 हजार रुपए प्रति लाभार्थी, आठ शिक्षकों की बेटियों की शादी में मदद

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। टीचर्स सेल्फ केयर टीम उत्तर प्रदेश द्वारा चलाई जा रही कन्यादान योजना के तहत आज आठ शिक्षकों को उनकी बेटियों की शादी के लिए 55-55 हजार रुपए का चेक वितरित किया गया। चेक वितरण कार्यक्रम जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी और वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक) की उपस्थिति में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सभागार में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में लाभार्थियों के रूप में राजनाथ, विद्यावती देवी, अवशेष कुमार, शिवशरण शर्मा, शकुंतला त्रिपाठी, राम सुरेश, अनिरुद्ध कुमार सिंह और विनय कुमार सिंह को चेक प्रदान किया गया। मंच संचालन जिला सहसंयोजक श्याम सिंगार यादव ने किया। टीचर्स सेल्फ केयर टीम की कन्यादान योजना का उद्देश्य शिक्षकों को उनकी बेटियों की शादी के लिए आर्थिक मदद उपलब्ध कराना है। यह पहल न केवल शिक्षकों के सामाजिक और आर्थिक कल्याण में सहायक है बल्कि समाज में शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के संदेश को भी बढ़ावा देती है। चेक वितरण कार्यक्रम में सभी लाभार्थियों को व्यवस्थित रूप से आमंत्रित किया गया और सामाजिक दूरी का पालन करते हुए समारोह संपन्न कराया गया। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों को बधाई दी और उनके परिवारों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लाभार्थियों और टीम के पदाधिकारी उपस्थित

कार्यक्रम में टीम के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष अनिल वर्मा, प्रदेश आईटी सेल प्रभारी इमरान नवाब, अयोध्या मंडल संयोजक शैलेन्द्र यादव, जिला संयोजक लाल चंद्र यादव, जिला प्रवक्ता ज्ञान प्रकाश तिवारी, जिला सह संयोजक एवं कन्यादान प्रभारी विपिन कुमार, सह संयोजक सुनील कुमार, राकेश कुमार, शील चंद मिश्र, श्याम सिंगार यादव, ऋषभ सिंह, सरिता, मेंहदी हसन, संजय कुमार यादव और नीरज यादव उपस्थित रहे।

न्यायालय पैरवी और अभियोजन की समीक्षा बैठक आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद में लंबित आपराधिक मामलों की प्रभावी पैरवी और त्वरित निस्तारण को लेकर सोमवार को न्यायालय पैरोकार एवं पैरवी सेल से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की गोष्ठी आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक अंबेडकरनगर के निर्देशानुसार अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेंद्र कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई। गोष्ठी का उद्देश्य न्यायालयों में विचाराधीन मुकदमों की समीक्षा कर अभियोजन की गुणवत्ता को और मजबूत करना रहा।

बैठक के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी ने न्यायालय पैरोकारों और पैरवी सेल के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी मुकदमों की नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने कहा कि अभियोजन की कमजोरी के कारण किसी भी मामले में आरोपी को लाभ नहीं मिलना चाहिए। प्रत्येक प्रकरण में साक्ष्यों को समय से न्यायालय में प्रस्तुत कर प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जाए। गोष्ठी में विभिन्न थानों से संबंधित लंबित मुकदमों की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने ऐसे मामलों की पहचान करने के निर्देश दिए, जिनमें अनावश्यक विलंब हो रहा है। उन्होंने कहा कि पुराने और गंभीर मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सूचीबद्ध कर उनकी नियमित प्रगति रिपोर्ट तैयार की जाए, ताकि समयबद्ध निस्तारण संभव हो सके।

बैठक में यह भी निर्देश दिए गए कि न्यायालय में प्रस्तुत होने वाले गवाहों की उपस्थिति समय पर सुनिश्चित की जाए।

मुकदमों की प्रभावी मॉनिटरिंग कर शीघ्र सजा सुनिश्चित करने के निर्देश

मांग : विकास कार्यों की गुणवत्ता, सफाई और पेयजल आपूर्ति पर उठे गंभीर सवाल

सभासदों ने किया धरना

भ्रष्टाचार

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर पालिका परिषद जलालपुर में मंगलवार को सभासदों ने अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर मुख्य द्वार पर धरना दिया। सभासदों ने विकास कार्यों की गुणवत्ता, सफाई व्यवस्था और पेयजल आपूर्ति को लेकर गंभीर सवाल उठाए और नगर प्रशासन से त्वरित कार्रवाई की मांग की। सभासदों ने बताया कि कई मोहल्लों में गंदगी और जलभराव की समस्या बनी हुई है। वार्ड संख्या तीन, नकटी गढ़िया सहित कुछ घनी आबादी वाले क्षेत्रों में दूषित पानी जमा होने से संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बनी हुई है। नगर में पेयजल की शुद्धता और आपूर्ति व्यवस्था संतोषजनक नहीं है। एसडीएम ने नगर पालिका के ईओ को निर्देश दिए कि वे सभासदों के साथ बैठक कर उठाए गए मुद्दों पर चर्चा करें और सभी समस्याओं को बोर्ड बैठक में दर्ज कर समाधान सुनिश्चित करें। धरने में आशीष सोनी, अजीत निषाद, अनुज सोनकर, शिवपूजन वर्मा, लालचंद और अन्य उपस्थित रहे। नगर पालिका प्रशासन ने कहा है कि सभी मुद्दों को गंभीरता से लिया गया है। जांच पूरी होने के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाएगी। सफाई, जलभराव और पेयजल आपूर्ति की स्थिति सुधारने के लिए तत्काल उपाय किए जाएंगे।

धरने की सूचना मिलने पर एसडीएम राहुल गुप्ता मौके पर पहुंचे और सभासदों से वार्ता की। उन्होंने सभी बिंदुओं पर ज्ञापन लेकर जांच और कार्रवाई का आश्वासन दिया। तहसीलदार गरिमा मार्गव के नेतृत्व में संयुक्त टीम को जांच के निर्देश दिए गए

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता की अनदेखी का आरोप

पूर्व नगर अध्यक्ष देवेश मिश्रा ने कहा कि नगर पालिका क्षेत्र में कराए जा रहे इंटरलॉकिंग और नाली निर्माण कार्य मानकों के अनुरूप नहीं हैं। उनका आरोप है कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है और पहले की गई शिकायत पर अब तक जांच रिपोर्ट नहीं आई है। उन्होंने कहा कि नालियों की नियमित सफाई और दवा छिड़काव केवल कागजों तक सीमित हैं।

स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में आयोजित स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट के छठे दिन हुए रोमांचक मुकाबले में शीशमहल लखनऊ की टीम ने पूर्वी चंपारण बिहार की टीम को 28 रनों से हराया। मुकाबले का आयोजन ब्लॉक अकबरपुर के मैदान में हुआ।

आज के मैच के मुख्य अतिथि वरिष्ठ फिजीशियन डाक्टर बी. डी. वर्मा रहे। उन्होंने मैदान में पहुंचकर दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय लिया। इससे पूर्व उन्होंने स्वर्गीय सूर्यपाल वर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए। मुख्य अतिथि ने खिलाड़ियों को अनुशासित और रणनीतिक खेल खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए शीशमहल लखनऊ की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 177 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम के बल्लेबाजों ने संतुलित और आक्रामक प्रदर्शन किया। विशाल ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए 55 रन बनाए। धनंजय ने 33, गुरमन ने 19, गोविंद ने 17 और मुरारी ने 16 रनों का योगदान दिया। पूर्वी चंपारण बिहार के गेंदबाज एजाज और रजनीश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 4-4 विकेट लिए।

शीशमहल लखनऊ ने पूर्वी चंपारण बिहार को 28 रनों से हराया

सम्पादकीय

उच्च शिक्षा की समस्याओं का समाधान

केवल डिग्री हासिल कर लेने को शिक्षा नहीं कह सकते। शिक्षा वह शक्ति है, जो जीवन को दिशा देती है। सफल शिक्षा एक व्यक्ति के सोचने का तरीका बदल सकती है, उसे जीवन उद्देश्य दे सकती है और अपने भीतर छिपी संभावनाएं पहचानने का अवसर दे सकती है। खासतौर पर उच्च शिक्षा वह पड़ाव है, जहां युवा अपनी रुचियों और क्षमताओं को पहचानते हैं और भविष्य की राह खोजने की शुरुआत करते हैं। जहां एक तरफ स्कूली शिक्षा हमें हमारे आसपास की दुनिया का ज्ञान देती है, वहीं उच्च शिक्षा छात्रों को अपने विकल्प जानने की आजादी देती है। उच्च शिक्षा समय है अलग-अलग विषयों और क्षेत्रों को समझने और यह तय करने का कि उन्हें जीवन में क्या करना है। यह प्रक्रिया सरल नहीं, जटिल होती है। एक छात्र के आजादी से अपनी राह चुन सकने के पीछे एक मजबूत संस्थान, संसाधन और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होती है।

भारत जैसे विशाल और विविध देश में संस्थान निर्माण एक बहुत बड़ी चुनौती है। आज देश की लगभग 65 प्रतिशत आबादी की उम्र 35 वर्ष से कम है। हर साल लाखों छात्र स्कूलों से निकलकर उच्च शिक्षा की ओर रुख करते हैं, लेकिन संस्थानों में इतनी सीटें ही नहीं कि सबको दाखिला मिल सके। नतीजतन प्रतिस्पर्धा और तेज होती जा रही है और परीक्षाएं और ज्यादा मानकीकृत हो रही हैं। इस सबके साथ-साथ व्यवस्था अक्सर प्रशासनिक सुविधा की सहूलियत देखती है। इस गहन माहौल में हर छात्र की अलग पहचान और क्षमता पर ध्यान दे पाना असंभव हो जाता है। आज भारत में लगभग 70,018 उच्च शिक्षा संस्थान हैं।

भले ही यह उत्साहजनक लगे, लेकिन देश की जरूरतों के मुकाबले अभी भी पर्याप्त नहीं। युवावर्ग अब भी बड़ी संख्या में गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा खोज रहा है। आपूर्ति की कमी का असर छात्र के इस निर्णय पर पड़ता है कि वह कहां पढ़े। सख्त आव्रजन नीतियों के बाद भी भारतीय छात्र बड़ी संख्या में विदेश पढ़ने जा रहे हैं। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन उनके प्रमुख गंतव्य हैं। हालांकि अब फ्रांस, आयरलैंड और इटली भी तेजी से छात्रों में लोकप्रिय हो रहे हैं। जनवरी 2025 तक के आंकड़ों के अनुसार 12 लाख से अधिक भारतीय छात्र विदेश में पढ़ रहे थे। इस आंकड़े से घरेलू स्तर पर आवश्यकता और सीमित विकल्प साफ उजागर होते हैं। इन चुनौतियों के बीच से ही बड़े अवसर भी उत्पन्न होते हैं।

तेजी से बदलती दुनिया में पहला अवसर नवाचार में निहित है। भारत में हमें अधिक बहुविषयक कार्यक्रमों की आवश्यकता है। हमें ऐसे कार्यक्रमों के बारे में सोचना होगा, जो तकनीक, पर्यावरण, सूचना और रचनात्मक क्षेत्रों से जुड़े हों। मैनेजमेंट, कानून और मेडिकल जैसे पारंपरिक कोर्स को भी नए ढंग से देखना होगा। नए पाठ्यक्रम, बेहतर तकनीक और उद्योग से पढ़ाई को जोड़ कर भारतीय संस्थान खुद को वैश्विक स्तर पर मजबूत बना सकते हैं। दूसरा बड़ा अवसर है, डिजिटल शिक्षा। हाइब्रिड माडल प्रभावी हो सकते हैं, जिन्हें आनलाइन और आफलाइन पढ़ाई को मिलाकर बनाया गया हो। अगर सही ढंग से लागू किए जाएं तो ये बड़े पैमाने पर लाभकारी शिक्षा का साधन बन सकते हैं। भारत जैसे विशाल और विविध देश में, जहां छात्र दूरदराज के इलाकों में रहते हैं, डिजिटल शिक्षा एक असरदार समाधान प्रस्तुत करती है। अपने सशक्त डिजिटल ढांचे की सहायता से भारत विश्व के लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकता है, और उसे ऐसा करना भी चाहिए। नीतिगत स्तर पर आज सकारात्मक बदलाव दिख रहे हैं। तीन दशक बाद राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने शिक्षा व्यवस्था में बड़े सुधारों का बीड़ा उठाया है। बहुविषयक पढ़ाई, विषयों में लचीलापन और संस्थानों की स्वायत्तता जैसे विचारों पर अब जोर दिया जा रहा है। दुनिया भर के शिक्षा क्षेत्र के पूर्व अनुभव बताते हैं कि जब-जब सरकारें शोध, नवाचार और तकनीक को शिक्षा का केंद्र बनाती हैं, तब-तब शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार होता है। तीसरा अहम पहलू है, प्रतिभा निर्माण। उच्च शिक्षा संस्थान का उद्देश्य केवल रुखा ज्ञान देना नहीं, बल्कि छात्रों के सोच के दायरे को विस्तार देना, कौशल को बढ़ाना और छात्रों को पेशेवर समझ देना भी है। सार्थक शिक्षा देश को ऐसा मानव संसाधन देती है, जो न सिर्फ घरेलू जरूरतों को पूरा करने क्षमता रखता है, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी आत्मविश्वास के साथ अपना योगदान दे सकता है। अगर हम पीछे मुड़ कर देखेंगे तो पाएंगे कि उच्च शिक्षा की परंपरा हमारी सबसे बड़ी ताकत रही है। अपने-अपने समय में तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्राचीन शिक्षा केंद्र विश्व भर से विद्वानों को आकर्षित करते रहे। इन सभी ने जिज्ञासा एवं शोध को शिक्षा का मूल सिद्धांत बनाया। आज भले ही समय और परिस्थितियां बदल गई हों, लेकिन हमारा लक्ष्य और भी स्पष्ट है।

मुनरो सिद्धांत की ओर झुकती अमेरिकी विदेश नीति

1823 में अमेरिकी राष्ट्रपति जेम्स मुनरो द्वारा प्रतिपादित मुनरो सिद्धांत का मूल उद्देश्य पश्चिमी गोलार्ध को यूरोपीय उपनिवेश-ावाद और हस्तक्षेप से मुक्त रखना था। उस समय यह सिद्धांत अमेरिका की सुरक्षा और क्षेत्रीय स्वायत्तता से जुड़ा हुआ था। धीरे-धीरे यह विचार अमेरिका के लिए लैटिन अमेरिका में प्रभाव बनाए रखने का वैचारिक आधार बन गया।

3 जनवरी 2026 की शुरुआत में वेनेजुएला में एक अत्यन्त नाटकीय घटनाक्रम सामने आया जब अमेरिका ने बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई करते हुए राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को हिरासत में लेकर देश से बाहर ले जाने की घोषणा की। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार यह कार्रवाई नार्को-आतंकवाद, मादक पदार्थों की तस्करी और गंभीर आपराधिक गतिविधियों से जुड़े आरोपों के आधार पर की गई तथा इसे अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए आवश्यक बताया गया। कार्रवाई के दौरान राजधानी काराकस और आसपास के क्षेत्रों में हवाई हमले और विशेष बलों की त्वरित छापेमारी की खबरें सामने आईं। दूसरी ओर, वेनेजुएला सरकार ने इस कदम को देश की संप्रभुता पर सीधा हमला और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया। सरकार समर्थक वर्ग ने इसे विदेशी आक्रमण बताया जबकि कुछ विपक्षी समूहों ने मादुरो शासन के अंत की सम्भावना के रूप में देखा। इस घटनाक्रम ने पुनः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शक्ति राजनीति, संप्रभुता और सैन्य हस्तक्षेप को लेकर व्यापक बहस को भी जन्म दिया है।

वस्तुतः समकालीन अंतरराष्ट्रीय राजनीति एक बार फिर इस सच्चाई को रेखांकित कर रही है कि वैश्विक व्यवस्था मूलतः शक्ति, हित और सुरक्षा के तर्क पर संचालित होती है। इस संदर्भ में हंस जे. मॉर्गेंथाऊ का यथार्थवादी सिद्धांत विशेष रूप से प्रासंगिक हो जाता है। मॉर्गेंथाऊ के अनुसार अंतरराष्ट्रीय राजनीति शक्ति के लिए संघर्ष है और राष्ट्रीय हित ही विदेश नीति का मूल आधार होता है। वे कहते हैं कि राष्ट्र अपने हितों को शक्ति की भाषा में परिभाषित करते हैं और नैतिकता को अंतरराष्ट्रीय राजनीति में पूरी तरह लागू नहीं किया जा सकता। मॉर्गेंथाऊ यह भी स्वीकार करते हैं कि नैतिकता का अस्तित्व है, लेकिन वह राष्ट्रीय हित से ऊपर नहीं हो सकती। वेनेजुएला में अमेरिका की कार्रवाई को इसी यथार्थवादी नजरिए से देखा जा सकता है। एक और विंदु जिसकी तरफ ध्यान आकृष्ट किया जाना चाहिए वो है अमेरिका की विदेश नीति में मुनरो सिद्धांत की ओर बढ़ता झुकाव। शीत युद्ध के दौर और उसके बाद भी अमेरिका ने इस क्षेत्र को अपने रणनीतिक हितों का क्षेत्र माना। आज जब चीन, रूस और ईरान जैसी शक्तियाँ पश्चिमी गोलार्ध में राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य सम्बन्ध मजबूत करने के लिए प्रयासरत हैं, अमेरिका एक बार फिर इस सिद्धांत को आधुनिक संदर्भ में लागू करता दिखाई दे रहा है। वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई इसी प्रवृत्ति का ताज़ा उदाहरण है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि यह कदम लोकतन्त्र, मानवाधिकार और क्षेत्रीय सुरक्षा की रक्षा के लिए उठाया गया है। अमेरिका लम्बे समय से वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने, चुनावों में अनियमितता, भ्रष्टाचार, मानवाधिकार उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय ड्रग तस्करी से जुड़े आरोप लगाता रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार इन गतिविधियों से न केवल वेनेजुएला की जनता प्रभावित हुई बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता भी खतरे में पड़ी हालांकि, इस कार्रवाई को केवल लोकतंत्र की रक्षा के रूप में देखना एक पक्षीय दृष्टिकोण होगा। वस्तुतः यह हस्तक्षेप अंतर-राष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के सिद्धांतों का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुसार किसी संप्रभु देश में सैन्य कार्रवाई तभी वैध मानी जाती है जब वह आत्म-रक्षा में हो या संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्वीकृति प्राप्त हो। वेनेजुएला के मामले में यह प्रश्न उठ रहा है कि क्या अमेरिका के पास ऐसा स्पष्ट कानूनी आधार था। यही कारण है कि इस कार्रवाई पर वैश्विक प्रतिक्रिया तीखी और विभाजित रही है। अमेरिका इस तरह के कदम अतीत में भी उठाता रहा है। मसलन 1989 में पनामा में अमेरिका ने "ऑपरेशन जस्ट कॉज" के तहत सैन्य हस्तक्षेप किया था और राष्ट्रपति मैनुअल नोरीएगा को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया था। उस समय भी अमेरिका ने ड्रग तस्करी, मानवाधि-कार उल्लंघन और अमेरिकी नागरिकों की सुरक्षा को आधार बनाया था। इसी तरह 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण सामूहिक विनाश के हथियारों के आरोपों के आधार पर किया गया हालांकि बाद में ऐसे हथियारों के प्रमाण नहीं मिले। इन दोनों मामलों में अमेरिका ने सुरक्षा और लोकतंत्र की भाषा का प्रयोग किया लेकिन वास्तविकता थी रणनीतिक हित, तेल संसाधनों पर कब्जा और क्षेत्रीय प्रभाव को बढ़ावा देना।

वेनेजुएला की कार्रवाई भी इन्हीं ऐतिहासिक उदाहरणों की याद दिलाती है। समर्थकों का तर्क है कि अमेरिका ने एक तानाशाही शासन के विरुद्ध निर्णायक कदम उठाया जबकि आलोचक इसे "शासन परिवर्तन" की राजनीति और शक्ति के प्रयोग का उदाहरण मानते हैं। इस बहस के केंद्र में वही प्रश्न है जो अंतरराष्ट्रीय राजनीति में बार-बार उठता रहा है—क्या शक्तिशाली राष्ट्रों को नैतिक उद्देश्य के नाम पर दूसरे देशों की संप्रभुता में हस्तक्षेप का अधिकार है? चीन, रूस और ईरान की प्रतिक्रियाएँ भी इसी शक्ति राजनीति को दर्शाती हैं। रूस और चीन ने अमेरिकी कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए इसे संप्रभुता का उल्लंघन और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ बताया है। दोनों देशों के वेनेजुएला के साथ राजनीतिक और आर्थिक सम्बन्ध रहे हैं, और वे इसे पश्चिमी गोलार्ध में अमेरिकी वर्चस्व बनाए रखने की कोशिश के रूप में देखते हैं। ईरान ने भी इस कार्रवाई की निन्दा करते हुए इसे साम्राज्यवादी हस्तक्षेप करार दिया है। इन देशों की प्रतिक्रिया केवल नैतिक आधार पर नहीं, बल्कि अपने रणनीतिक हितों और अमेरिका के प्रभाव को चुनौती देने की इच्छा से भी जुड़ी हुई है लेकिन सच्चाई यह भी कि ये देश अभी कुछ करने की स्थिति में नही हैं ईरान में जहाँ गृहयुद्ध जैसे हालात बन रहे हैं, वहीं रूस यूक्रेन युद्ध में व्यस्त है जहां तक चीन का सवाल है तो वह ताइवान पर अमेरिका जैसी ही कार्यवाही करने की फिराक में है।अमेरिका ने यह कदम पूरे रणनीतिक सोच के साथ उठाया है। भू-राजनीतिक दृष्टि से वेनेजुएला की घटना यह संकेत देती है कि पश्चिमी गोलार्ध एक बार फिर वैश्विक प्रतिस्पर्धा का केंद्र बन रहा है। अमेरिका इस क्षेत्र में चीन और रूस की बढ़ती उपस्थिति को सीमित करना चाहता है जबकि ये शक्तियाँ अमेरिका के एकध्रुवीय प्रभाव को चुनौती देने का अवसर देख रही हैं। ऐसे में मुनरो सिद्धांत का आधुनिक रूप केवल ऐतिहासिक अवधारणा नहीं, बल्कि सक्रिय रणनीति बनता जा रहा है।

डॉ ब्रजेश कुमार मिश्र

सरकार ने भले ही खाद्य...

बाबूलाल नागा

मासूमों का बचपन जंक फूड के हवाले क्यों ?

हाल में उत्तर प्रदेश के अमरोहा में 11वीं की एक छात्रा की कथित तौर पर लगातार जंक फूड खाने से मौत हो गई। अहाना नाम की छात्रा के पेट में इन्फेक्शन हो गया था। लोकल अस्पताल में इलाज के बाद उसे दिल्ली एम्स रेफर किया गया था। वहां उसने दम तोड़ दिया।

अहाना की मौत कोई साधारण हादसा नहीं है बल्कि यह उस खामोश महामारी का प्रतीक है जो आज हमारे घरों, स्कूलों और बाजारों में खुलेआम पल रही है—जंक फूड। चमकदार पैकेटों, आकर्षक विज्ञापनों और "टेस्टी" के नाम पर परोसे जा रहे जहर ने एक मासूम जिंदगी छीन ली। यह घटना केवल एक परिवार का निजी दुख नहीं बल्कि पूरे समाज, नीति-निर्माताओं और व्यवस्था के मुंह पर करारा तमाचा है।

आज जंक फूड सिर्फ खान-पान की आदत नहीं बल्कि एक सुनियोजित उद्योग बन चुका है, जो बच्चों को सबसे आसान शिकार मानता है। रंगीन विज्ञापन, कार्टून कैरेक्टर, मुफ्त खिलौने और स्कूलों के आसपास खुले स्टॉल—यह सब बच्चों को लुभाने की रणनीति है। अहाना भी इसी जाल में फंसी। स्वाद के नाम पर सेहत को गिरवी रखने की यह संस्कृति धीरे-धीरे बच्चों के

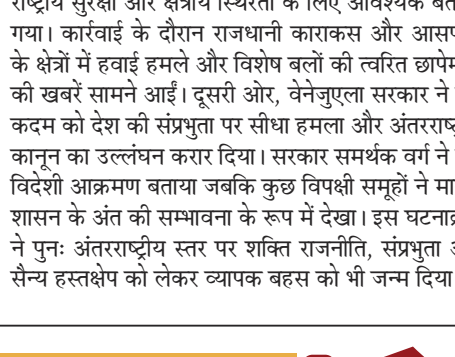

शरीर को खोखला कर रही है। मोटापा, डायबिटीज, हृदय रोग, लीवर की समस्या—ये सब बीमारियां अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि बच्चों के हिस्से में भी आ चुकी हैं।

सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि जंक फूड का खतरा केवल लंबे समय में नहीं बल्कि तुरंत भी जानलेवा साबित हो सकता है। अत्यधिक नमक, चीनी, ट्रांस फैट और केमिकल्स से भरे खाद्य पदार्थ बच्चों के नाजुक शरीर पर सीधा हमला करते हैं। दिल की धड़कन से लेकर पाचन तंत्र तक, हर अंग पर इसका असर पड़ता है। अहाना की मौत ने यह कड़वा सच उजागर कर दिया है कि यह 'धीमा ज़हर' कभी-कभी अचानक भी जान ले सकता है।

यह सवाल उठना लाजमी है कि आखिर जिम्मेदार कौन है? क्या सिर्फ माता-पिता? या स्कूल? या फिर सरकार और खाद्य उद्योग? सच्चाई यह है कि यह सामूहिक विफलता है। माता-पिता की मजबूरी और अनभिज्ञता, स्कूलों की लापरवाही, सरकार की ढीली नीतियां और मुनाफे के पीछे भागता उद्योग—सब मिलकर इस त्रासदी के जिम्मेदार हैं। जब स्कूल कैंटीनों में पिज्जा, बर्गर और कोल्ड ड्रिंक्स आसानी से उपलब्ध हों तो बच्चों को सेहतमंद विकल्प चुनने की सीख कैसे मिले?

सरकार ने भले ही खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण के माध्यम से कुछ दिशानिर्देश जारी किए हों लेकिन जमीनी हकीकत अलग है। स्कूलों के आसपास जंक फूड की बिक्री पर रोक कागजों तक सीमित है। विज्ञापनों पर नियंत्रण की बातें भी खोखली साबित होती हैं, जब बच्चों के टीवी कार्यक्रमों और मोबाइल ऐप्स पर जंक फूड के प्रचार की बाढ़ आती है। क्या बच्चों की जान से बड़ा कोई मुनाफा हो सकता है?

यह भी विडंबना है कि जिस देश में कुपोषण एक गंभीर समस्या है, वहीं दूसरी ओर जंक फूड से उपजा मोटापा और बीमारियां नई चुनौती बन चुकी हैं। यह दोहरी मार है—एक तरफ भूख, दूसरी तरफ गलत भोजन। अहाना की मौत इस विरोधाभास को और भी निर्मम तरीके से सामने लाती है। क्या हम ऐसा भारत बनाना चाहते हैं, जहां बच्चे या तो भूख से मरें या गलत खाने से?

समाधान केवल शोक व्यक्त करने या कुछ दिनों की बहस तक सीमित नहीं होना चाहिए। सबसे पहले, जंक फूड को लेकर कड़े कानून लागू करने होंगे। स्कूलों और उनके आसपास जंक फूड की बिक्री पर सख्त और वास्तविक प्रतिबंध लगे। बच्चों को लक्षित विज्ञापनों पर पूर्ण रोक हो। पैकेटों पर बड़े और स्पष्ट चेतावनी संदेश अनिवार्य किए जाएं, जैसे तंबाकू उत्पादों पर होते हैं। यह संदेश सिर्फ लिखित नहीं, बल्कि चित्रात्मक और प्रभावी हों।

ग्लोबल ...

कमलेश पांडेय

अमेरिका के इशारे पर न थिरकने वाले देश कीमत चुकाने के लिए तैयार रहें !

अंतर्राष्ट्रीय जगत में आर्थिक और तकनीकी दृष्टिकोण से संपन्न अमेरिका अपनी 'डीप स्टेट खलनीति' के बल पर दुनिया का दादा बन चुका है। चूंकि जी-7 के देश उसके मजबूत हाथ हैं, इसलिए ब्रिक्स देशों की औकात उससे खुलेआम उलझने की आजतक नहीं बन पाई है। आखिर पहले भारत के पास-पड़ोस में, फिर ईरान में और अब बेनेजुएला के दास्तान जो चुगली कर रही हैं, उसके वैश्विक मायने तो यही हैं। अब अगला नम्बर शायद कम्बोडिया का आएगा जिसे ट्रंप ने ताजा धमकी दी है।

देखा जाए तो मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के स्वप्नद्रष्टा डोनाल्ड ट्रंप उनकी मुद्रा को चुनौती दिलवाने वाले, यदा कदा उनको आंखें दिखाने वाले रूस-चीन के मजबूत समर्थकों के एक एक कर रीढ़ तोड़ने और इसी झांसे में जांबाज भारत को धमकाकर अपने खेमे में मिलाने के लिए सधी चालें चलना शुरू कर चुके हैं। डीप स्टेट से जुड़े लोगों की मानें तो आगे अमेरिका अभी बहुत कुछ करने वाला है। इस बात का संकेत कभी न्यूयॉर्क के महापौर ममदानी और भारतीय-अमेरिकी आशा जडेजा के इशारों से चलता है। ममदानी जहां खुलेआम स्वजातीय भारतीय देशद्रोही उमर खालिद के पक्ष में खत लिख रहे हैं, वहीं आशा जडेजा ने तो खुलेआम भारत को रूसी सम्बन्धों पर नसीहत दी है। मतलब साफ है कि दुनिया भर में ब्रिक्स और रिक (रूस-भारत-चीन) देशों का हौव्वा खड़ा करके रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो कभी अलग अलग और कभी संयुक्त मंच पर अमेरिका विरोधी शेखी बघारते आये हैं,

उनके ग्लोबल साउथ के सपनों पर बम्बार्डिंग शुरू हो चुकी है। यदि डीप स्टेट के समक्ष ट्रंप ने घुटने टेके हैं तो अब उन्हें रणनीतिक बुलंदी भी मिल रही है। रूस को यूक्रेन में, भारत को पाकिस्तान-बंगलादेश से और चीन को दक्षिण चीन सागर में उलझाए रखने की जो खतरनाक अमेरिकी साजिश है, उसकी काट अभी किसी के पास नहीं है।

अभी तक एशिया, दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका में अमेरिका को कमजोर करने की जो चालें चीन व भारत की तरफ से अलग अलग चली जा रही थीं, इनकी हवा निकालने के लिए ही अमेरिका ने अपना आक्रामक तेवर दिखा दिया है जिसे रोकना अब किसी के बूते की बात नहीं। सच कहूं तो अमेरिका ने 19वीं शताब्दी से ही अपना विरोधी रहे कई देशों में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से सत्ता परिवर्तन करवाए हैं जिनमें मुख्य रूप से लैटिन अमेरिका, एशिया और मध्य-पूर्व के देश शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय मामलों के जानकार बताते हैं कि वाकई ये हस्तक्षेप अक्सर डीप स्टेट के इशारे पर सीआईए के माध्यम से गुप्त अभियानों, सैन्य आक्रमणों या समर्थन के जरिए हुए।

जरा हटके

ताजी आलोचना ...

राजेश श्रीवास्तव

मादुरो का साथ देकर ट्रंप से यूं ही नहीं टकरा रहे हैं रूस और चीन

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने जब वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो व उनकी पत्नी को उनके बेडरूम से आधी रात उठा लिया तो कई देशों को तो सांप सूंघ गया लेकिन चीन और रूस ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए ट्रंप को सीधी चुनौती दे डाली कि मादुरों को तुरंत रिहा करो। आखिर इस चुनौती के क्या मायने हैं और अमेरिका से जब कोई टकराने के बारे में सोच नहीं रहा तो चीन क्यों दो-दो हाथ करने पर उतारू हैं, यह हमें समझना होगा। सवाल है कि चीन और रूस वेनेजुएला के साथ क्यों खड़े हैं? क्या दोनों देश अमेरिका से दुश्मनी मोल ले रहे हैं, या इसके पीछे गहरी कूटनीतिक और आर्थिक रणनीतियां काम कर रही हैं? दरअसल वेनेजुएला बीते कुछ वर्षों से वैश्विक राजनीति का प्रमुख मैदान बना हुआ है। ऐसे में जब भी अमेरिका सैन्य हस्तक्षेप, आर्थिक प्रतिबंध या राजनीतिक दबाव के रूप में कोई आक्रामक कदम उठाता है तो रूस और चीन उसकी तीखी आलोचना करते आए हैं। ताजी आलोचना उसी पुराने क्रम को आगे बढ़ाती हुई दिखाई देती है. रूस और चीन दोनों लंबे समय से यह सार्वजनिक रूप से कहते आए हैं कि किसी भी संप्रभु देश की सरकार बदलने का अधिकार केवल उस देश के नागरिकों को है, किसी बाहरी शक्ति को नहीं। अमेरिका ने इराक, लीबिया, अफगानिस्तान, सीरिया और कई लैटिन अमेरिकी देशों में प्रत्यक्ष या परोक्ष हस्तक्षेप कर सरकारें बदलने की जो परंपरा बनाई,

उसे रूस और चीन अपने लिए भी खतरनाक मिसाल मानते हैं। उनकी नज़र में यदि वेनेजुएला में अमेरिकी हस्तक्षेप सफल होता है, तो यह सिद्धांत बन जाएगा कि जब भी किसी सरकार की नीतियां वॉशिंगटन को पसंद न आएं, तो आर्थिक प्रतिबंध, राजनीतिक अलगाव और सैन्य दबाव के ज़रिए उसे झुका दिया जाए। रूस और चीन दोनों ही खुद को ऐसी किसी भी भविष्य की स्थिति से बचाना चाहते हैं, इसलिए वे सिद्धांत के स्तर पर अमेरिकी हमलों और दखलंदाज़ी की कड़ी आलोचना करते हैं। अमेरिका का सबसे बड़ा औज़ार आर्थिक प्रतिबंध हैं जो अक्सर डॉलर और अमेरिकी वित्तीय तंत्र पर दुनिया की निर्भरता के कारण बेहद प्रभावी हैं। रूस और चीन अच्छी तरह समझते हैं कि आज वेनेजुएला है, कल वे खुद भी इसी तरह के प्रतिबंधों का और व्यापक पैमाने पर सामना कर सकते हैं। इसीलिए वे दोनों मिलकर ऐसे विकल्प तैयार कर रहे हैं जिनसे किसी देश को पूरी तरह अमेरिकी वित्तीय तंत्र पर निर्भर न रहना पड़े।

सूक्ष्म और स्थूल जगत

आदमी का सारा जीवन इस प्रश्न में उलझा रहता है कि मैं कब प्रवेश सुख के संजीवन में कर पाऊँगा । हमको विचारों का अनियन्त्रित प्रवाह जीवन में भटकाता ही है जबकि उन पर नियंत्रण हमें परिष्कार की राह दिखाता है।चिंतन की निर्विचार अवस्था एक महान शक्ति का परिचायक है। वह इसी दिशा में निर्बाध रूप से अग्रसर होना चरम व सिद्ध अवस्था का दायक है । सुख के संजीवन का रास्ता आदमी खुद ही बनाता है । वह खुद ही के पुण्य कर्म बंधन से अच्छा व्यापार व सन्मान पाता हैं । हमारे सुख का असली श्रोत बाहर नहीं भीतर ही में हैं जिसे हम बाहर ढूढते फिरते हैं । वह सारा हमारे इस घर में ही है । हम इसलिए पहले अपने घर को सही से समृद्ध बनाने का प्रयास करे और उसके बाद अगला चरण बाहय सुख को पाने के लिए धरें । हमारे द्वारा किसी भी बात को समझना बड़ा कठिन होता हैं । वह सच्चाईं को पकड़ना बहुत मुश्किल होता हैं । क्या कहा जा रहा हैं और क्या उसका तात्पर्य होना चाहिए । यह समझ हर किसी में विकसित नहीं हो पाती हैं । वह जिसमें यह समझ विकसित हो जाती हैं तो उसका कोई भी प्रश्न और कोई भी समस्या अस्माहित नहीं रहती हैं । हमारे यहाँ प्राचीन ग्रंथों में चक्खुदयाणं विशेषण का प्रयोग हैं जिसका अर्थ हैं आंतरिक आँख देने वाला अंतचक्षुओं के आधार से हम अंतर में आलोकित हो सकते हैं । हम अपने भीतर की परख से बहिर्जगत में देखना शुरू कर और उस ओर बढ़ने से न हमको ग़लतियाँ दिखेगी और न हमारे जिज्ञासा रहेगी । जैन आगम भगवती में देवता की शक्ति का वर्णन हैं । देवता ने एक आदमी के सिर को काट दिया । उसे खंड- खंड कर चूर्ण बना दिया और उसे आकाश में उछाल दिया । थोड़े क्षणों बाद वह प्रयत्न करता हैं तो उन सब उछाले हुए चूर्णों को , खंडों को इकट्ठा कर , सांध कर फिर आदमी का सिर बना देता हैं । यह कितनी विचित्र शक्ति हैं । सूक्ष्म जगत के रहस्य इतने है कि स्थूल जगत वाले नहीं समझ सकते हैं । प्रयोग के द्वारा बहुत सारी बातें संभव होती हैं । जो ज्ञानी होता है उसको पता होता हैं कि कौन व्यक्ति स्थूल इन्द्रिय चेतना पर जी रहा है और स्थूल जगत में काम कर रहा हैं । वह सूक्ष्म सत्यों को नहीं जानता हैं । वह जब तक व्यक्ति इन्द्रिय चेतना के द्वारा ही जानता हैं और स्थूल सच्चाईयों को जानता हैं तब तक सूक्ष्म सच्चाईयां सामने नहीं आती हैं । वह जहां सूक्ष्म सत्य हैं वहां तर्क भी काम नहीं करते हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

रेलवे कर्मचारी की हत्या 30 मिनट तड़पता रहा

वारदात

मेरठ में ड्यूटी जाते वक्त बदमाशों ने रोका, सीने पर 10 बार चाकू मारे

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में बाइक सवार रेलवे कर्मचारी विवेक कुमार की ड्यूटी जाते वक्त हत्या कर दी गई। देर रात सरेराह उस पर तीन बदमाशों ने चाकू से ताबड़तोड़ वार किए। फिर खून से लथपथ विवेक को सड़क पर छोड़कर फरार हो गए। घायल हालत में विवेक करीब आधे घंटे तक तड़पता रहा। उसके सीने और गर्दन से लगातार खून बह रहा था। उसे हिचकियां आ रही थीं। वहां से गुजरते लोगों की नजर विवेक पर पड़ी। उन्होंने पुलिस को घटना की सूचना दी। पहुंची ने रेलवे कर्मचारी को पहले सीएचसी भिजवाया, जहां से उसे मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया।

मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान रेलवे कर्मचारी की मौत हो गई। पुलिस की टीमें हमलावरों की तलाश में जुटी हुई हैं। घटना रविवार की देर रात करीब 10.30 बजे मुंडाली थाना क्षेत्र की है। ड्यूटी पर जा रहा था युवकः पुलिस के मुताबिक, विवेक (35) मेरठ के खरखौदा रेलवे स्टेशन पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर तैनात था। वह भावनपुर थाना क्षेत्र के बक्सर का रहने वाला है। उसके पिता का नाम महेंद्र है। रविवार देर शाम विवेक रोज की तरह ड्यूटी पर जाने के लिए बाइक से निकला था। बदमाशों ने ओवरटेक कर बाइक रुकवाई: मुंडाली-अजराड़ा संपर्क मार्ग पर एक बाइक पर सवार होकर आए तीन बदमाशों ने उसे ओवरटेक कर उसकी बाइक रुकवा ली। इसके बाद आरोपियों ने विवेक के साथ मारपीट की और चाकू से उसके सीने और गले पर करीब 10 से ज्यादा वार किए। वारदात के बाद जब तक लोग कुछ समझ पाते, तब तक हमलावर मौके से फरार हो गए।

विवेक, मृतक

लूट के इरादे से नहीं हुई हत्या

पुलिस को विवेक की जेब से उसका मोबाइल फोन बरामद हुआ है। इसके अलावा गले में पहनी सोने की चेन भी सुरक्षित मिली है। उसकी जेब में पर्स भी मौजूद था। इन तथ्यों से साफ है कि विवेक की हत्या लूट के इरादे से नहीं की गई। फिलहाल पुलिस हत्या की वजह तलाशने में जुटी हुई है।

4 साल पहले हुई थी शादी

विवेक तीन भाइयों और एक बहन में शामिल था। विवेक का बड़ा भाई रोहित नोएडा की एक कंपनी में नौकरी करता है। विवेक और विकास जुड़वा भाई थे। विकास रोडवेज में संविदा परिचालक के पद पर कार्यरत है। परिवार में मां ओमलता का पहले ही निधन हो चुका है। विवेक की शादी 4 साल पहले मानपुर गांव निवासी गुंजन से हुई थी। दंपती की डेढ़ साल की एक बेटी है। विवेक की मौत के बाद से उसकी पत्नी गुंजन सदमे में है।

महेंद्र बोले-1 घंटे बाद ही आया फोन

विवेक की मौत के बाद पिता महेंद्र भी सदमे में हैं। उन्होंने बताया कि परिवार की किसी से कोई दुश्मनी नहीं है। विवेक करीब छह साल पहले रेलवे में की-मैन के पद पर भर्ती हुआ था। बीते लगभग दो वर्षों से उसकी नाइट ड्यूटी चल रही थी। रविवार शाम भी वह ड्यूटी के लिए घर से निकला था, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद ही घटना की सूचना परिवार को मिल गई।

विवेक के पिता महेंद्र ने बताया- रविवार शाम भी वह ड्यूटी के लिए घर से निकला था, लेकिन करीब डेढ़ घंटे बाद ही घटना की सूचना मिली।

चरथावल पुलिस की त्वरित कार्रवाई

मिशन शक्ति के तहत अभियुक्त गिरफ्तार

तमसा संकेत, संवाददाता

मुजफ्फरनगर। चरथावल में महिला सशक्तिकरण को लेकर शासन द्वारा चलाए जा रहे मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत थाना चरथावल पुलिस ने शांति व्यवस्था भंग करने के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। चरथावल प्रभारी निरीक्षक सत्यनारायण दहिया के नेतृत्व में महिला उपनिरीक्षक डोली, महिला कांस्टेबल पिंकी एवं कांस्टेबल राहुल गिरी गश्त व चेकिंग पर थे। इसी दौरान मोहल्ला कानूनगोयान, कस्बा चरथावल में पैसों के लेन–देन को लेकर पड़ोसियों के बीच विवाद की सूचना मिली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने समय सिंह पुत्र ऋषिपाल निवासी मोहल्ला कानूनगोयान को पड़ोस में रहने वाली सुमन पत्नी विकास कुमार के साथ विवाद कर आमदा-फसाद की स्थिति उत्पन्न करते हुए पाया।शांति व्यवस्था भंग होने की आशंका को देखते हुए पुलिस ने अभियुक्त को धारा 170/126/135 बीएनएसएस के अंतर्गत गिरफ्तार कर लिया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इस प्रकार के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

जँगली चोरों ने किसान के खेत से गन्ने किये चोरी,घटना से दहशत

मुजफ्फरनगर। मोरना क्षेत्र के गांव वजीरबाद के जंगल मे खेत मे रखा 60 कुंटल गन्ना चोरी हो गया। पीड़ित किसान ने पुलिस से कार्रवाई की गुहार लगाई है।पुलिस घटना की जांच मे जुट गयी है।भोपा थाना क्षेत्र के कस्बा भोकरहेड़ी के मोहल्ला नेहरू चौक निवासी अंकुश चौधरी ने बताया कि उसके खेत गांव वजीराबाद के जंगल में ठोकर वाला पीर के पास हैं।मंगलवार की सुबह उसका नौकर धर्मेंद्र खेत पर गया तो उसने खेत मे रखे गन्ने के बंडल को गायब पाया जिसकी सूचना उसने अंकुश चौधरी को दी।पीड़ित किसान अंकुश चौधरी ने बताया कि लगभग 60 कुंटल गन्ना खेत में रखा हुआ था। जिसे अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया घटना की सूचना पर पहुंची 112 पुलिस ने मामले की जानकारी की वहीं सूचना पर शुक्रताल चौकी इंचार्ज विवेक कुमार भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों सहायता से घटना की जांच कर शीघ्र मामले का खुलासा शीघ्र किया जाएगा।

बार के सचिव पद के लिए पूजा वर्मा ने किया नामांकन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। बार एसोसिएशन के सचिव पद के लिए अधिवक्ता पूजा वर्मा ने मंगलवार को नामांकन किया नामांकन से पूर्व निकाले गए जुलूस में उनके साथ में सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद रहे जुलुस मे उनके समर्थकों ने कचहरी से भ्रष्टाचार ख़त्म करने क़े नारे लगाए।

मंगलवार को अधिवक्ता पूजा वर्मा के द्वारा बार के सचिव पद के लिए नामांकन किया। नामांकन से पूर्व उन्होंने सेकड़ो अधिवक्ताओ के साथ जुलुस निकाला। इसके बाद बार एसोसिएशन कार्यालय पहुंचकर के उनके द्वारा नामांकन दाखिल किया गया। नामांकन दाखिल करने के बाद उन्होंने कहा कि सचिव पद पर लड़ने का उनका मुख्य उद्देश्य बार एसोसिएशन तथा कचहरी पर होने वाले भ्रष्टाचार को समाप्त करना है वकीलों को रोज बदनामी का सामना करना पड़ता है और उनका कामकाज भी प्रभावित होता है

उन्होंने कहा कि यदि वह सचिव बनी तो अधिवक्ताओं की समस्याओं का शत प्रतिशत निराकरण करेंगी। नामांकन के दौरान उनके साथ अधिवक्ता ओम प्रकाश शर्मा सत्येंद्र सिंह परिहार प्रेम सिंह कर्दम रवेन्द्र-कुमार ठाकुर हरेंद्र सिंह ठाकुर ज्ञानेंद्र सिंह ऋषि गौड सी एम चौधरी आर बी चौधरी मोहन सिंह अरुण कुमार कोषाध्यक्ष पंकज गोला पंकज चौधरी योगेश जादौन भारत जैन चंचल वर्मा देवेंदरी अर्चना पाराशर नीलेश जादौन बबलू राजपूत ठाकुर देवेंद्र सिंह आदि सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे।

घटना से जुड़े हर पहलू की गंभीरता से जांच जारीः सीओ संग्राम सिंह

प्लॉट विवाद के चलते युवक की हत्या गांव में फैली दहशत

- **परिवार में शादी की खुशियां मातम में बदलीं, तीन नामजद केस दर्ज**
- **हत्याकांड को लेकर तरह-तरह की चर्चाओं का बाजार गर्म**

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर/झालू। थाना क्षेत्र के ग्राम खारी में सोमवार देर रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। 40 वर्षीय इस्लामुद्दीन का शव गौसपुर–टोपरी मार्ग स्थित चकरोड किनारे पड़ा मिला। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से एक अवैध बंदूक बरामद की और शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। परिजनों के अनुसार इस्लामुद्दीन बेल्डिंग का कार्य करता था। सोमवार शाम करीब सात बजे वह गांव निवासी मुस्तफा के बुलाने पर घर से निकला था, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला, तो परिजन चिंतित हो गए। बाद में मृतक के मित्र इकरार से सूचना मिली कि इस्लामुद्दीन की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना मिलने पर परिजन और पुलिस मौके पर पहुंचे। गौसपुर के जंगल क्षेत्र में चकरोड के पास इस्लामुद्दीन का शव पड़ा मिला, जिसके पेट में गोली लगी हुई थी। शव के पास एक अवैध बंदूक भी पाई गई। मृतक के भाई निजामुद्दीन ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि इस्लामुद्दीन का मुस्तफा से प्लॉट के सात लाख रुपये के लेन-देन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी रंजिश में मुस्तफा ने अपने साथियों इसरार और अतीक के साथ मिलकर हत्या को अंजाम दिया।

सीओ सिटी संग्राम सिंह

चर्चाओं का बाजार गर्म

उधर, गांव में कुछ लोग यह चर्चा भी कर रहे हैं कि इस्लामुद्दीन अपने साथियों के साथ जंगल में शिकार करने जाता था, हालांकि पुलिस ने ऐसी किसी भी बात की पुष्टि नहीं की है। पुलिस का कहना है कि घटनास्थल पर पहुंचे सीओ सिटी संग्राम सिंह ने बताया कि घटना के हर पहलुओं पर जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि तहरीर के आधार पर सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है, तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस टीम में हल्दौर थाना अध्यक्ष किशन अवतार, झालू चौकी प्रभारी कुलदीप सिंह, हेड कांस्टेबल राजवीर तोमर उर्फ फौजी सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा।

इस्लामुद्दीन तीन भाइयों और चार बहनों में दूसरे नंबर का था। उसके परिवार में तीन बेटियां और दो बेटे हैं। बताया गया कि दो माह पूर्व जन्मी एक पुत्री को उसने रिश्तेदारी में गोद दे दिया था। मृतक का छोटा भाई जमालुद्दीन नौ साल बाद सऊदी अरब से गांव लौटा था और उसकी शादी 20 जनवरी को तय थी, लेकिन इस घटना से शादी की तैयारियां मातम में बदल गईं।

बरेली कॉलेज में स्ववित्तपोषित शिक्षकों का नववर्ष मिलन समारोह आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता

बरेली। बरेली कॉलेज, बरेली के स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के शिक्षकों द्वारा नववर्ष 2026 के शुभ अवसर पर नववर्ष मिलन समारोह एवं खिचड़ी सहभोज का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के निदेशक प्रोफेसर ए. पी. सिंह एवं पूर्व निदेशक प्रोफेसर अनुराग मोहन की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की वर्ष 2025 की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। प्रोफेसर ए. पी. सिंह द्वारा शिक्षकों के हित में किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए उनके योगदान को महत्वपूर्ण बताया गया।

समारोह के दौरान वर्ष 2026 में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के लिए एक अलग रिसर्च सेंटर स्थापित किए जाने का प्रस्ताव रखा गया। वक्ताओं ने कहा कि इस पहल से भविष्य में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम से जुड़े सभी शिक्षकों को उच्च स्तरीय

शैक्षणिक एवं शोध सुविधाएँ उपलब्ध होंगी, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में और अधिक सुधार होगा।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीताराम ने किया। कार्यक्रम के अंत में डॉ. योगेश शर्मा एवं डॉ. जसपाल सिंह ने सभी अतिथियों एवं शिक्षकों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। विशेष योगदान डॉक्टर नाम का अग्रवाल डॉक्टर निष्ठा सेठ डॉक्टर गौरव भूषण बबलू और मुकेश कुमार हर्षित तिवारी आदि का रहा

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम के शिक्षक और शोध छात्र उपस्थित रहे और नववर्ष को उत्साह एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

इंजीनियरिंग और गणित से जुड़ी समस्याओं को सरल और व्यावहारिक तरीके से हल करने में सक्षम

एमआईईटी में मैटलैब पर पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम हुआ शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (एमआईईटी) में इंजीनियरिंग समस्या-समाधान हेतु हैंड्स-ऑन मैटलैब विषय पर पाँच दिवसीय ऑनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (एफडीपी) की शुरुआत हो गई है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को मैटलैब के माध्यम से इंजीनियरिंग और गणित से जुड़ी समस्याओं को सरल और व्यावहारिक तरीके से हल करने में सक्षम बनाना है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को मैटलैब के मूल वातावरण से परिचित कराया जा रहा है। इसमें इन-बिल्ट फंक्शन और टूलबॉक्स का उपयोग, स्क्रिप्ट व फ़ंक्शन लिखना, त्रुटियों को ठीक करना,

संख्यात्मक गणनाएँ, मैट्रिक्स ऑपरेशन तथा 2डी और 3डी ग्राफ़ के माध्यम से डेटा को समझना शामिल है। साथ ही गणितीय और इंजीनियरिंग मॉडलों का निर्माण व सिमुलेशन तथा सिग्नल प्रोसेसिंग, कंट्रोल सिस्टम और डेटा एनालिसिस जैसे क्षेत्रों में मैटलैब के उपयोग पर भी जानकारी दी जा रही है। प्रथम दिन के सत्र में मूल गणितीय अवधारणाओं, मैट्रिक्स, लीनियर एल्जेब्रा और न्यूमेरिकल मेथड्स को मैटलैब के माध्यम से आसान उदाहरणों के साथ समझाया गया, जिससे प्रतिभागियों को विषय को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली।

इस अवसर पर संस्थान के चेयरमैन विष्णु शरण, वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, कैंपस निदेशक डॉ. संजय कुमार सिंह और डीन एकेडमिक डॉ. संजीव कुमार सिंह ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे शिक्षकों के कौशल विकास की दिशा में एक उपयोगी पहल बताया।

कार्यक्रम की संयोजक डॉ. स्वाति महेश्वरी और सह-संयोजक डॉ. रिची सिंह हैं। आयोजकों ने प्रथम वर्ष के डीन डॉ. विनीत कुमार, एप्लाइड साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. निधि चौधरी तथा कार्यक्रम में शामिल सभी शिक्षकों का सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

नवागत थाना प्रभारी पुष्पेंद्र कुमार ने लिया बलदेव में चार्ज

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। पुष्पेंद्र कुमार को थाना बलदेव का थाना प्रभारी बनाया गया है। चार्ज लेने के बाद उन्होंने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देशों का पालन करते हुए थाना क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि गश्त को बढ़ाया जाएगा। थाना प्रभारी ने बताया कि उनका मुख्य लक्ष्य आम जनता में विश्वास और अपराधियों में भय का माहौल बनाना है। थाने में आने वाले परिवादियों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुनकर उनका समय पर समाधान किया जाएगा। उन्होंने आमजन से अपील की है कि थाना क्षेत्र में कहीं भी कोई अपराध होने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस मौके पर पहुंचकर तुरंत कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में आपराधिक गतिविधियों पर नियंत्रण, शांति व्यवस्था कायम रखना व नागरिकों के बीच पुलिस की बेहतर कार्य कुशलता व छवि प्रस्तुत करना मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। स्थानीय व्यापारी नेता विनोद मोदी,युवा नेता मोहित चौधरी,शुभम चौधरी,आचार्य मनीष गर्गाचार्य, सुजीत वर्मा,आदि ने नवागत थाना प्रभारी का सम्मान कर बधाई दी।

खुदखुशी : मेरठ में 200 मी. तक बिखरे शव के क्षत-विक्षत टुकड़े, डिप्रेशन में चल रहा था

कर्ज से परेशान होकर युवक ट्रेन के आगे कूदा

तनाव

- **ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद रेलवे ट्रैक पर शव के क्षत-विक्षत टुकड़े दूर तक फैल गए। घटनास्थल से गुजर रहे लोगों ने शोर मचाया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।**

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में सोमवार सुबह कर्ज से परेशान एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि युवक लंबे समय से मानसिक तनाव और डिप्रेशन से जूझ रहा था। घटना सुबह करीब 8 बजे की है, जब रेलवे ट्रैक से एक ट्रेन गुजर रही थी। इसी दौरान युवक अचानक ट्रेन के सामने कूद गया। सीओ सौम्या अस्थाना ने बताया- परिवार से पूछताछ में सामने आया है कि युवक ने बैंक से लोन लिया था। लोन को लेकर घर में अक्सर विवाद होता रहता था। इसी वजह से शहाबुद्दीन मानसिक तनाव और डिप्रेशन में चल रहा था।

शाहबुद्दीन, मृतक

मौजूद लोगों ने शव की पहचान की

हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने शव की पहचान के प्रयास शुरू किए। इसी दौरान घटनास्थल पर मौजूद एक व्यक्ति ने युवक की पहचान शाहबुद्दीन पुत्र शहजाद, निवासी रशीद नगर के रूप में की। इसके बाद पुलिस ने परिजनों को सूचना दी। जानकारी मिलते ही परिवार के लोग रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। शव की स्थिति बेहद क्षत-विक्षत थी, जिसे देखकर परिजन सहम गए।

रविवार रात और सोमवार सुबह भी घर में विवाद हुआ था। इसके बाद शहाबुद्दीन रेलवे लाइन पर पहुंचा और ट्रेन के आगे कूद गया। पुलिस ने मौके पर पंचनामा भरकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव के अवशेषों को एकत्र कर पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्च्युरी भिजवाया। साथ ही पुलिस मामले की जांच की जा रही है। यह घटना ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में आने वाली लखनऊ रेलवे लाइन का है।

पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका खारिज

देवरिया में धोखाधड़ी के मामले में जेल में बंद, सीजेएम कोर्ट में हुई सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया । देवरिया में धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में जिला कारागार में बंद पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर को मंगलवार को अदालत से राहत नहीं मिली। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत ने उनकी जमानत याचिका को सुनवाई के बाद खारिज कर दिया।

मंगलवार को पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को भारी पुलिस सुरक्षा के बीच जिला कारागार से दीवानी न्यायालय परिसर लाया गया। सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर न्यायालय परिसर और आसपास अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया था। उन्हें सीजेएम न्यायालय में पेश किया गया। उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई हुई, जिसमें

विवेचक भी अदालत में उपस्थित रहे। पिछली सुनवाई के दौरान उन्हें साक्ष्यों के साथ तलब किया गया था। अदालत में अभियोजन और बचाव पक्ष के अधिवक्ताओं ने जमानत याचिका को लेकर अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए। अमिताभ ठाकुर देवरिया में दर्ज धोखाधड़ी के एक पुराने मामले में न्यायिक हिरासत में हैं। यह मामला वर्ष 1999 से संबंधित बताया जा रहा है। गिरफ्तारी के बाद से ही पूर्व आईपीएस अधिकारी की ओर से यह दावा किया जाता रहा है कि उनके खिलाफ की गई कार्रवाई राजनीतिक प्रतिशोध से प्रेरित है। जमानत याचिका खारिज होने के बाद न्यायालय परिसर में कुछ देर तक हलचल बनी रही। मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर भी चर्चाएं तेज हैं। फिलहाल पूर्व आईपीएस अमिताभ ठाकुर को जिला कारागार में ही रहना होगा। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सीजेएम मंजू कुमारी ने पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर की जमानत याचिका निरस्त कर दी। आदेश के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच वापस जिला कारागार भेज दिया गया।

कानपुर के भाजपा पार्षदों को केशव ने बुलाया लखनऊ, बंटी टैक्स पर मुस्कुराए, बोले-यह क्या है

डिप्टी सीएम के सामने पहुंचा मेयर और पार्षदों का विवाद

कार्यक्रम

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर नगर निगम में मेयर और भाजपा पार्षदों के बीच चल रहा विवाद अब डिप्टी सीएम तक पहुंच चुका है। भाजपा के पार्षदों ने मंगलवार को सीएसए में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य से मुलाकात करके उन्हें अपनी बात बताई। जिसके बाद डिप्टी सीएम ने सभी पार्षदों को लखनऊ बुलाया है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंगलवार को कानपुर पहुंचे थे। सीएमए मैदान में उनका हैलीपैड बनाया गया था। जहां पर भाजपा के

पदाधिकारियों और जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। मेयर और उनके बेटे बंटी के खिलाफ मोर्चा खोलने वाले भाजपा के पार्षद भी यही पहुंच गए थे। सूबे के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य कानपुर में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे हैं। सीएसए मैदान में उनका हेलीकॉप्टर उतारा गया। कानपुर मेयर प्रमिला पांडेय, गोविंद नगर विधायक सुरेंद्र मैथानी, एमएलसी सलिल बिश्नोई, पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया समेत विभिन्न जनप्रतिनिधियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान नगर निगम के भाजपा पार्षद भी उनसे मिलने पहुंचे और अपनी समस्या बताई। भाजपा दक्षिण के जिलाध्यक्ष ने पार्षदों की मुलाकात केशव प्रसाद मौर्य से कराई, जिसके बाद डिप्टी सीएम ने सभी पार्षदों से मजाकिया अंदाज में उनसे कहा कि मौसम खराब है। हेलीकॉप्टर उड़ने में देर हो जाएगी। इसलिए सभी लखनऊ आकर पूरी समस्या उन्हें बताएं।

हमारे जिलाध्यक्ष सुलझा लेंगे सारा विवाद

सीएसए में ही डिप्टी सीएम ने प्रेसवार्ता की और मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उनसे मेयर और पार्षदों के विवाद के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि यह बहुत छोटी समस्या है। इसे जिलाध्यक्ष और क्षेत्रिय अध्यक्ष ही मिलकर सुलझा लेंगे। क्योंकि यह इतना बड़ा मामला नहीं है। परिवार में छोटी मोटी चीजें होती रहती हैं और इसे सुलझाने के लिए संगठन के पदाधिकारी हैं।

मेयर प्रमिला पांडेय भी डिप्टी सीएम से मिलने सीएसए पहुंची थी।

प्रेसवार्ता में नगर निगम में पार्षदों द्वारा उठाए जा रहे बंटी टैक्स के मुद्दे पर डिप्टी सीएम के सामने रखा गया। उनसे जब बंटी टैक्स के बारे में पूछा गया तो उन्होंने अनभिज्ञता जताते हुए मुस्कुराकर जवाब दिया कि 'ये क्या है'। इसके बाद वह प्रेसवार्ता खत्म करके सीएसए से रवाना हो गए।

पुलिस मुठभेड़ में फरार वांछित चल रहा बदमाश हुआ घायल

तमसा संकेत, संवाददाता

मुजफ्फरनगर। दिन निकलते ही बुढ़ाना पुलिस के हत्थे चढ़े दो शातिर अंतरराज्य वाहन चोर,पुलिस से हुई मुठभेड़ में एक बदमाश गोली लगने से हुआ घायल,जबकिएक बदमाश कोहरे के फायदा उठाकर फरार होनेबके प्रयास में गन्ने के खेत से कॉम्बिंग के दौरान हुआ गिरफ्तार,पुलिस ने घायल को हॉस्पिटल कराया भर्ती,अवैध असलाह व चोरी की बाइक की बरामद।थाना बुढाना पुलिस द्वारा वाजिद के होटल के पास आने जाने वाले वाहनो की चैकिंग की जा रही थी।चेकिंग के दौरान एक बाइक पर सवार दो व्यक्ति आते दिखाई दिए जिन्हें नजदीक आने पर पुलिस टीम द्वारा चेकिंग हेतु रुकने का इशारा किया गया । पुलिस टीम को देखकर मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति मोटर-साइकिल को वापस पीछे मोड़कर भागने लगे । संदिग्ध होने का शक होने पर पुलिस टीम द्वारा मोटरसाइ-किल सवारों का पीछा किया गया।

घायल बदमाश थाना खतौली का हिस्ट्रीशीटर अपराधी 25 हजार रुपये तथा थाना किला जनपद पानीपत से पाँच हजार रुपये का इनामी बदमाश है

पुलिस को पीछे आता देख बदमाशों ने अपनी मोटरसाइकिल कच्चे रास्ते पर मोड़ दी।कुछ दूरी पर जाकर रास्ता कच्चा होने के कारण उक्त व्यक्तियों की मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर फिसलकर गिर गयी। जिस पर दोनो बदमाश मोटर-साइकिल को मौके पर ही छोड़कर पुलिस टीम पर फायरिंग करते हुए ईख के खेत मे घुस गये। बदमाशों द्वारा किए गए फायर से पुलिस टीम बाल बाल बची तथा ईख के खेत की घेराबंदी कर काम्बिंग करते हुए अभियुक्तगण को आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी गयी, परन्तु बदमाशों पर पुलिस की चेतावनी का कोई असर नहीं हुआ ।

मथुरा में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान चलाया

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा । जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चन्द्र ने बताया कि मंगलवार को जनपद मथुरा में सामाजिक कुरीतियों के विरुद्ध एक सशक्त कदम उठाते हुए ₹बाल विवाह मुक्त भारत अभियान₹ के अंतर्गत व्यापक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इन कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य समाज को बाल विवाह के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत करना और उज्ज्वल भविष्य के लिए बच्चों की शिक्षा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। यह अभियान जनपद के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान कार्यशालाओं और गोष्ठियों के माध्यम से स्थानीय निवासियों को बताया गया कि बाल विवाह न केवल एक कानूनी अपराध है, बल्कि यह बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के साथ-साथ उनके मौलिक अधिकारों का भी हनन है। जनपद में जिलाधिकारी के निर्देशन में तथा जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में चाईल्ड हेल्पलाइन / रेलवे हेल्प डेस्क, वन स्टाप सेन्टर यूनिट प्रथम एवं द्वितीय मथुरा के द्वारा मथुरा जंक्शन, चिंताहरण महादेव, रमण रेती (गोकुल), पागल बाबा मन्दिर वृन्दावन, मथुरा, महिला वृद्धा आश्रय गृह कृष्ण कुटीर आदि में यात्रिगणों, दर्शानार्थी, पर्यटक आदि को बाल विवाह विरूद्ध जागरूक किया गया एवं शपथ दिलवायी गयी। इस दौरान एण्टी हयूमन ट्रैफिकिंग यूनिट, मथुरा द्वारा अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। उपरोक्त बाल विवाह मुक्त भारत जागरूकता अभियान के दौरान लगभग 5642 महिला, पुरूष एवं बच्चों द्वारा प्रतिभाग किया।

आयोजित होने वाले समारोह में रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव प्रदान करेंगे पुरस्कार

उत्तर पश्चिम रेलवे को मिलेंगी 03 शील्ड और 06 व्यक्तिगत पुरस्कार

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा 9 जनवरी 2026 को दिल्ली में आयोजित होने वाले अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार समारोह (राष्ट्रीय) -2025 में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए विभिन्न जोनल रेलवे को शील्ड से सम्मानित किया जाएगा। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेलकर्मियों को भी प्रमाण पत्र व पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वर्ष 2025 में उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए उत्तर पश्चिम रेलवे को 03 शील्ड प्रदान की जाएगी साथ ही 02 अधिकारियों एवं 04 कर्मचारियों को व्यक्तिगत पुरस्कार से भी सम्मानित किया जाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशि किरण के अनुसार श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय रेल सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री द्वारा शुक्रवार, 9 जनवरी, 2026 को इंडिया इंटरनेशनल कन्वेंशन एंड एक्सपो सेंटर (IICC), यशोभूमि, द्वारका, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (राष्ट्रीय) समारोह 2025 में उत्तर पश्चिम रेलवे को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिएसम्पूर्ण कार्यकुशलता हेतु गोविन्द वल्लभ पंत शील्ड, वैगन मेंटेनेंस शील्ड एवं रनिंग रूम शील्ड (आबू रोड रनिंग रूम) प्रदान की जाएगी। साथ ही उत्तर पश्चिम रेलवे की श्रीमती मेघा गोदारा देव-उप मुख्य कार्मिक अधिकारी, सुश्री मोनिका यादव-मंडल वाणिज्य प्रबंधक, श्री शिवलाल जयसिंह पुरोहित-सीनियर सेक्शन इंजीनियर, श्री ओंकार-कांस्टेबल, श्री मुबारिक हुसैन मंसूरी-लोको पायलट एवं श्री मनोज दुसाद-ट्रैक मेंटेनर को भी पुरस्कृत कर सम्मानित किया जाएगा।

उत्तर पश्चिम रेलवे ने श्री अमिताभ, महाप्रबन्धक-उत्तर पश्चिम रेलवे के कुशल मार्ग निर्देशन में सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। 70वें अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार (राष्ट्रीय) 2025 में प्राप्त ये 03 शील्ड और 06 व्यक्तिगत पुरस्कार उत्तर पश्चिम रेलवे के लिए गर्व का विषय हैं। यह सम्मान न केवल बीते वर्ष के उत्कृष्ट कार्यों की स्वीकृति है, बल्कि भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरणा भी है।

एआरटीओ ने दिलाई नियमो के पालन करने की शपथ

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत परिवहन विभाग द्वारा नन्दलाल प्रभुदेवी प्रोफेशनल इंस्टीट्यूट परिसर मे सड़क सुरक्षा के प्रति स्कूली छात्र-छात्राओ व वाहन चालको मे जागरुकता लाने हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारम्भ सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी प्रशासन अंकिता शुक्ला, सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक बलवन्त सिंह यादव, यातायात प्रभारी रामयतन यादव ने दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यशाला मे एआरटीओ ने छात्र-छात्राओ को कहा कि सड़क दुर्घटनाएँ केवल एक व्यक्ति या परिवार की नहीं, बल्कि पूरे समाज की क्षति होती हैं। जिन्हें यदि हम थोड़ी सी सावधानी, अनुशासन एवं जागरूकता से रोक सकते है। एआरटीओ ने हेलमेट एवं सीटबेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन, नशे की हालत में वाहन न चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा रोड़ सेफ्टी नियमों का पालन करने पर विशेष जोर दिया। तथा सड़क पर अनुशासन बनाए रखने, गलत दिशा में गाड़ी न चलाने और धैर्यपूर्वक नियमों का पालन करने का संकल्प दिलाया। सम्भागीय निरीक्षक प्राविधिक बलवन्त सिंह यादव ने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि युवा वर्ग समाज का सबसे सशक्त माध्यम है जो न केवल स्वयं नियमों का पालन करे। बल्कि अपने परिवार, मित्रों एवं आसपास के लोगों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करे। यातायात प्रभारी यादव ने कहा कि सड़क सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

हिन्दूओं की कम होती जनसंख्या पर जताई चिंता

जनसंख्या नियंत्रण कानून बना चाहिए : प्रवीण तोगड़िया

तमसा संकेत, संवाददाता

बिजनौर । अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रवीण भाई तोगड़िया ने देश में एक वर्ग की बढ़ती आबादी पर चिंता व्यक्त करते हुए जनसंख्या नियंत्रण कानून बनाने की मांग की। मंगलवार को बिजनौर में आये अंतरराष्ट्रीय हिन्दू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया ने कहा कि बजरंग दल, महिला परिषद और ओजस्वी जैसे चारों संगठनों ने राम मंदिर निर्माण के बाद हिंदुओं के लिए व्यापक कार्य शुरू किए हैं। उनका प्राथमिक लक्ष्य 'हिंदू ही आगे, हिंदू सुरक्षित, हिंदू समृद्ध, सम्मानित हिंदू' है। तोगड़िया ने जोर देकर कहा कि जब तक भारत में हिंदुओं का बहुमत है, तब तक वे सुरक्षित हैं। उन्होंने बिजनौर, सहारनपुर और रामपुर जैसे क्षेत्रों में हिंदू जनसंख्या में तेजी से गिरावट पर चिंता जताई। उन्होंने भारत में जनसंख्या नियंत्रण कानून लागू करने की योजना बताई, ताकि हिंदू बहुमत बना रहे। उन्होंने प्रस्तावित कानून के प्रावधानों का जिक्र करते हुए कहा कि यदि कानून बनने के एक वर्ष बाद किसी परिवार में तीसरा या चौथा बच्चा जन्म लेता है, तो उन्हें सरकारी राशन, स्कूल में प्रवेश, सरकारी अस्पताल में इलाज, बैंकों से ऋण और किसी भी सरकारी योजना का लाभ नहीं मिलेगा। साथ ही, उन्हें वोट डालने का अधिकार भी नहीं दिया जाएगा। तोगड़िया ने स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों पर भी बात की। उन्होंने बताया कि देश में 25 करोड़ ब्लड प्रेशर और 13 करोड़ डायबिटीज के मरीज हैं, जिसका कारण गलत खानपान और दिनचर्या है। उन्होंने 'हिंदू रोग मुक्त रहे' अभियान चलाने की घोषणा की, जिसका उद्देश्य करोड़ों घरों तक पहुंचकर हिंदुओं को स्वस्थ रखना है।

अन्य अभियानों में सस्ती शिक्षा और शिक्षा के बाद रोजगार के अवसर प्रदान करना शामिल है। उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा पर भी जोर देते हुए बताया कि स्कूल-कॉलेज सहित विभिन्न स्थानों पर 'सेल्फ-प्रोटेक्शन ट्रेनिंग' दी जा रही है।

नगर पालिका कार्यालय पहुंचा प्रतिनिधि मंडल

दूषित पेयजल आपूर्ति पर जताया विरोध

तमसा संकेत, संवाददाता

हल्दौर। गर वासियों के एक प्रतिनिधि मंडल ने मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय में अधिशासी अधिकारी और नगर पालिका अध्यक्ष से मिलकर नवनिर्मित ओवरहेड टैंक से हो रहे दूषित पेयजल की आपूर्ति के प्रति विरोध दर्ज कराया। नगर पालिका प्रशासन की लापरवाहियां अब आम नागरिकों की सहनशक्ति की सीमा को पार करने लगी हैं। स्थिति इतनी भयावह है कि नगर वासियों को अब अपनी जान का डर सताने लगा है। जलनिगम द्वारा नगर में पेयजल की आपूर्ति हेतु एक नवीन ओवर हैड टैंक का निर्माण तथा नवीन बोरिंग कराया गया था। पूरे नगर में इस हेतु नई पाइप लाइनों का जाल भी बिछाया गया था। पिछले कई महीनो से इन नई पाइप लाइनों में जल की आपूर्ति रोज सुबह शाम इस नाम पर की जा रही है कि

इससे पाइप लाइनों की सफाई होगी। विगत दिनों नगर पालिका प्रशासन द्वारा पूरे नगर में मुनादी कराई गई की सभी नगरवासी नई पेयजल लाइनों से अपने घरों का कनेक्शन करवा ले क्योंकि अब पुरानी पेयजल लाइन से पेयजल आपूर्ति बंद कर दी जाएगी। जिससे पूरे नगर के नागरिकों में आक्रोश फैल गया है, जिसका कारण यह है कि नई पेयजल लाइन से दूषित पानी की आपूर्ति हो रही है। अब यदि पुरानी पेयजल लाइन से आपूर्ति बंद कर दी जाएगी तो नगर वासियों के पास पेयजल का एकमात्र स्रोत नवीन पेयजल लाइन की आपूर्ति ही बचेगा जो की दूषित है।

नकदी के लिए एटीएम मशीन नदारद उपभोक्ता परेशान

उम्मीद लेकर पहुंचे उपभोक्ता, एटीएम ने फिर दे दिया धोखा

तमसा संकेत, संवाददाता

झालू। पंजाब नेशनल बैंक की झालू शाखा में वर्षों से एटीएम मशीन की सुविधा न होने के कारण क्षेत्र के खाताधारकों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बताया जा रहा है कि वर्ष 1971 के आसपास झालू में पीएनबी की शाखा की स्थापना हुई थी। तब से लेकर आज तक क्षेत्र के सबसे अधिक उपभोक्ता इसी शाखा से जुड़े हुए हैं। पीएनबी झालू शाखा से व्यापारी, किसान, शिक्षक, विद्यार्थी सहित विभिन्न वर्गों के लोग बैंकिंग सेवाएं लेते हैं। जानकारी के अनुसार शाखा में करीब 50 हजार खाताधारक पंजीकृत हैं। इतनी बड़ी संख्या में उपभोक्ता जुड़े होने के बावजूद एटीएम सुविधा न होना लोगों की समझ से परे है। बैंक अवकाश के दिनों में नकदी निकालने के लिए उपभोक्ताओं को अन्य बैंकों के एटीएम या दूरस्थ स्थानों पर जाना पड़ता है, जिससे समय और धन दोनों की बर्बादी होती है। हिमांशु, दीपांशु, संदीप, राजन, जोगेंद्र, कामेंद्र, रोबी, सुरेंद्र आदि ग्राहकों का कहना है कि एटीएम न होने से केवल नकदी निकालने में ही नहीं, बल्कि पिन जनरेट कराने, बैलेंस की जानकारी लेने और अन्य जरूरी बैंकिंग कार्यों के लिए भी बार-बार शाखा के चक्कर लगाने पड़ते हैं। इससे खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले खाताधारकों को अधिक परेशानी झेलनी पड़ती है। सुमित गौड़ ने बताया कि इस समस्या को लेकर बैंक अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। इससे लोगों में बैंक प्रबंधन के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। उपभोक्ताओं ने मांग की है कि शाखा में शीघ्र एटीएम मशीन स्थापित कराई जाए, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

पृष्ठ 01 का शेष...

यूपी एसआईआर...

मध्यप्रदेश में 42.74 लाख, छत्तीसगढ़ में 27.34 लाख, केरल में 24.08 लाख, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 3.10 लाख वोटर्स, पश्चिम बंगाल में 58.20 लाख, राजस्थान में 41.85 लाख, गोवा में 11.85 लाख, पुडुचेरी में 1.03 लाख, लक्षद्वीप में 1,616, तमिलनाडु में 97 लाख, गुजरात में 73 लाख वोटर्स के नाम कटे हैं।

पहले 14,88,821 मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में शामिल थे। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब 12,58,735 मतदाताओं के नाम सूची में दर्ज हैं।

लखनऊ जिले में 30 प्रतिशत वोट कटे हैं। यहां पहले 39,94,535 थे, जो अब 27,94,397 बचे हैं। इसी तरह बलराम-पुर में 25.98 प्रतिशत वोट कटे हैं। यहां पहले 15,83,027 वोट थे, जो अब 11,71,826 बचे हैं। हापुड़ में 22.30 प्रतिशत वोट कटे हैं। यहां 11,56,699 थे, जो 8,98,796 बचे हैं। इसी तरह से संभल में 20.29 प्रतिशत वोट घटे हैं।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- 1 जनवरी 2008 से पहले जन्मे लोग फार्म भर सकते हैं। 1 अक्तूबर से जो एलिजेबल हो रहे हैं, वे फार्म भर सकते हैं।

उन्होंने बताया- एपिक नंबर से भी सर्च किया जा सकता है। ईसीआई नेट एप पर भी जानकारी देखी जा सकती है। नाम नहीं है तो फॉर्म 6 भर दें। फॉर्म-8 करेक्शन के लिए भरा जाएगा। फार्म 7 डिलीट कराने के लिए भरा जाएगा। 6-ए विदेश में रहने वालों के लिए हैं। पासपोर्ट के एड्रेस के विधानसभा क्षेत्र में भरे जाएंगे।

राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया- जिनका फॉर्म मिला है, उनकी मैपिंग नहीं है। उन्हीं को नोटिस दिया जाएगा। 91 प्रतिशत से अधिक मैपिंग हुई है। करीब 9 प्रतिशत लोगों को मैपिंग के लिए नोटिस जाएगा। 1.4 करोड़ ऐसी संख्या है। 6 मार्च 2026 को अंतिम सूची जारी की जाएगी।

हम सावरकर की...

अभी के लिए, मैं सिर्फ इतना कहूंगा कि हम शिवशाहू फुले अंबेडकर आंदोलन के प्रति प्रतिबद्ध थे, हैं और रहेंगे।

मिटकरी ने X पर लिखा- भले ही हम आपकी उम्मीद के मुताबिक विचारधारा को स्वीकार न करें, यह एक अकाट्य सत्य है कि आपको हमारी पार्टी की अंबेडकरवादी विचारधारा को स्वीकार करना ही होगा।

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगियों पर वक्फ अधिनियम के माध्यम से मुस्लिम धार्मिक संस्थानों को कमजोर करने की कोशिश करने का आरोप लगाया।

सोमवार शाम को नांदेड़ में रैली में ओवैसी ने कहा कि हाल ही में पारित वक्फ अधिनियम का इस्तेमाल मस्जिदों को बंद करने और सदियों पुरानी दरगाहों के मालिकाना हक को चुनौती देने के लिए किया जा रहा है।

उन्होंने दावा किया कि सरकार का लक्ष्य उनका नियंत्रण भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) को सौंपना है।

उन्होंने मतदाताओं से 15 जनवरी को होने वाले नांदेड़-वाघाला नगर निगम चुनावों में भाजपा, अजीत पवार के नेतृत्व वाली NCP और एकनाथ शिंदे की शिवसेना को खारिज करने का आग्रह किया।

ओवैसी ने कहा कि मुसलमान किरायेदार या दूसरे दर्जे के नागरिक नहीं हैं और भारत उनका भी देश है।

उन्होंने डिप्टी सीएम अजीत पवार द्वारा अपने चाचा शरद पवार से अलग होने की आलोचना की। ओवैसी ने दावा किया कि अजीत पवार पर आरोप होने के बावजूद कार्रवाई नहीं हुई, जबकि किसी मुस्लिम के साथ ऐसा होता तो उसे 75 साल की जेल हो सकती थी।

बीजेपी सांसद अशोक चव्हाण पर तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें केंद्र में मंत्री नहीं बनाया, कम से कम राज्य मंत्री (MoS) तो बनाया जा सकता था। ओवैसी ने आरोप लगाया कि मोदी ने अशोक चव्हाण को चाय के कप से मक्खी की तरह निकाल दिया।

2006 के मुंबई सीरियल ट्रेन धमाकों का जिक्र करते हुए कहा कि इसमें 185 लोगों की मौत हुई। ओवैसी के अनुसार, मामले में 11 मुस्लिम पुरुषों को 19 साल तक जेल में रखा गया। ट्रेन धमाकों के आरोपी कमल अंसारी की COVID के दौरान 2021 में जेल में मौत हो गई। ओवैसी ने कहा कि न तो पीड़ितों को और न ही आरोपियों को न्याय मिला।

गुजरात-कर्नाटक में...

सुबह धमकी का ईमेल मिलने के बाद कोर्ट का कामकाज रोक दिया गया था। हालांकि, जांच में कोई संदिग्ध चीज नहीं मिली थी।

उत्तर प्रदेश के मऊ रेलवे जंक्शन पर मंगलवार सुबह काशी एक्सप्रेस (15018 डाउन) में बम होने की धमकी मिली। इसके बाद ट्रेन को स्टेशन पर रोका गया और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर उतारा गया। मऊ के एसपी एलामरन जी ने बताया कि सुबह करीब 9.30 बजे पुलिस कंट्रोल रूम में कॉल आया, जिसमें ट्रेन में बम होने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि जैसे ही ट्रेन मऊ स्टेशन पहुंची, यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और हर कोच की पूरी जांच की गई। अब तक कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। प्रतीत होता है कि कॉल फर्जी था। हमारी निगरानी टीम स्रोत पता लगाने में लगी हुई है। चेकिंग के दौरान एक कोच में संदिग्ध बैग देखकर यात्री चिल्लाने लगे और दौड़ते हुए बाहर निकलने लगे। उनकी आवाज सुनकर कोतवाल अनिल सिंह पहुंचे। अपनी जान की परवाह किए बिना उन्होंने डंडे में झाड़ू फंसाई और संदिग्ध बैग को खींचते हुए बाहर ले गए। इंसपेक्टर चिल्ला-चिल्लाकर भीड़ को हटाते रहे। हालांकि बम स्क्वायड टीम ने बैग की तलाशी ली तो उसमें कुछ नहीं मिला। करीब 3 घंटे तक सर्च ऑपरेशन चला। इस दौरान स्टेशन में मौजूद हर शख्स की सांसें थमी रहीं।

कर्नाटक के मैसुरु जिला कोर्ट को भी मंगलवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। पुलिस ने बताया कि सावधानी के तौर पर कोर्ट परिसर को तुरंत खाली कराया गया। धमकी मिलने के बाद न्यायिक अधिकारी, वकील, मुकदमेबाज और कोर्ट स्टाफ को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इसके चलते कोर्ट की सभी कार्यवाही अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गईं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंच गया है और पूरे कोर्ट परिसर की गहन तलाशी ली जा रही है। फिलहाल किसी भी संदिग्ध वस्तु के मिलने की पुष्टि नहीं हुई है।

जेएनयू में नारे : मोदी...

मिश्रा ने न्यूज एजेंसी PTI को बताया कि विरोध प्रदर्शन में लगाए गए सभी नारे वैचारिक थे और किसी पर व्यक्तिगत हमला नहीं करते थे। वे किसी के लिए निर्देशित नहीं थे।

हालांकि मंगलवार दोपहर को JNU प्रशासन ने वसंत कुंज पुलिस को लेटर लिखा, जिसमें साबरमती हॉस्टल के बाहर नारे लगाने के लिए FIR दर्ज करने की मांग की गई है।

कांग्रेस नेता उदित राज- यह गुस्सा जाहिर करने का एक तरीका है। JNU में 2020 दिल्ली दंगों की बड़ी साजिश मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ गुस्सा है। उमर खालिद और शरजील इमाम के साथ ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि वे मुसलमान हैं। उनके साथ नाइंसाफी हुई है। SC का फैसला बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है।

कांग्रेस ने मोदी-ट्रम्प...

इस बीच में कांग्रेस नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने भी अमेरिका की व्यापार नीति और वेनेजुएला में हुई अमेरिकी सैन्य कार्रवाई का जिक्र करते हुए भारत को लेकर सवाल उठाया।

उन्होंने कहा-जो वेनेजुएला में हुआ, क्या वैसा भारत में भी हो सकता है? क्या डोनाल्ड ट्रंप हमारे प्रधानमंत्री का अपहरण करेंगे? यह टिप्पणी उन्होंने अमेरिका की ओर से भारत पर ऊंचे टैरिफ लगाए जाने के संदर्भ में मीडिया से बातचीत के दौरान की।

एयरफोर्स में पायलट थे, कॉमनवेल्थ गेम्स में भ्रष्टाचार को लेकर विवाद, जेल भी जाना पड़ा

पूर्व केंद्रीय मंत्री कलमाड़ी का 81 की उम्र में निधन

दुःखद

पुणे, एजेंसी

पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता सुरेश कलमाड़ी का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। वे 81 साल के थे। कलमाड़ी को पुणे के दीनानाथ मंगेशकर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्होंने मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे अंतिम सांस ली।

कलमाड़ी के आधिकारिक कार्यालय के मुताबिक उनका पार्थिव शरीर दोपहर 2 बजे तक कलमाड़ी हाउस एरंडवणे में रखा जाएगा। अंतिम संस्कार दोपहर 3.30 बजे वैकुंठ श्मशान पुणे में होगा। सुरेश शामराव कलमाड़ी का जन्म 1 मई 1944 को हुआ था। कलमाड़ी पुणे लोकसभा सीट से 3 बार सांसद चुने गए। राजनीति के साथ-साथ वे खेल प्रशासन के लिए भी जाने जाते रहे। भारतीय ओलिंपिक संघ (IOA) के अध्यक्ष थे। 2010 में दिल्ली में हुए ग्लोबल इवेंट कॉमनवेल्थ गेम्स की आयोजन समिति के चेयरमैन भी थे। कलमाड़ी ने रेल राज्य मंत्री के रूप में भी काम किया था। कलमाड़ी समेत कई लोगों पर खेलों के लिए दो महत्वपूर्ण अनुबंधों के आवंटन में भ्रष्टाचार का आरोप लगाया गया था। कलमाड़ी को अप्रैल 2011 में CBI ने गिरफ्तार किया था। इसके बाद कांग्रेस ने उन्हें पार्टी से सस्पेंड कर दिया था। उन्हें 10 महीने दिल्ली की तिहाड़ जेल में रखा गया था।

पूर्व केंद्रीय मंत्री कलमाड़ी की यह तस्वीर 2022 की है। जब वे पुणे कार्पोरेशन ऑफिस में विजिट पर गए थे।

कॉमनवेल्थ गेम्स घोटाले में नाम, 15 साल चला केस

कलमाड़ी कॉमनवेल्थ गेम्स भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण विवादों में भी घिरे रहे। CWG कॉन्ट्रैक्ट्स को लेकर 15 साल तक केस चला। अप्रैल 2025 में दिल्ली की एक अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की उस क्लोजर रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया, जिसमें कलमाड़ी और तत्कालीन महासचिव ललित भनोट तथा अन्य के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज था।

स्क्वाड्रन लीडर पद से रिटायर हुए थे कलमाड़ी

कलमाड़ी ने 1960 में नेशनल डिफेंस एकेडमी (NDA) जॉइन की। फिर वे इंडियन एयरफोर्स में पायलट कमीशंड हुए। एयरफोर्स में वे 1964 से 1972 तक पायलट रहे। इसके बाद वे 1972 से 74 तक NDA में एयरफोर्स ट्रेनिंग टीम में इन्स्ट्रक्टर रहे। एयरफोर्स से वे स्क्वाड्रन लीडर के पद से रिटायर हुए। इसके बाद उन्होंने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के साथ अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की थी।

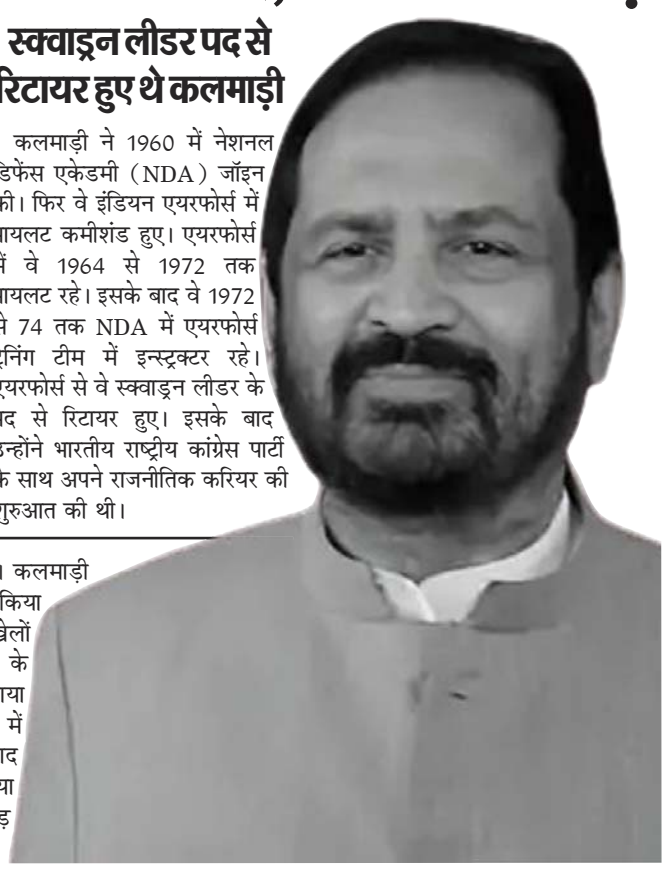

बिलियर्ड्स के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन मनोज कोठारी का निधन

शोक

कोलकाता, एजेंसी

बिलियर्ड्स के पूर्व वर्ल्ड चैंपियन मनोज कोठारी का सोमवार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली स्थित एक अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। यह जानकारी उनके परिवार के एक सदस्य ने पीटीआई को दी।

वे 67 साल के थे। उनके परिवार में उनकी पत्नी और पुत्र सौरव कोठारी हैं। कोलकाता के कोठारी का 10 दिन पहले चेन्नई से 600 किलोमीटर दूर तिरुनेल-वेली के कावेरी अस्पताल में लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था।

सर्जरी सफल रही और तीसरे दिन वे बैठकर बात कर रहे थे। कुछ दिन पहले उनके फेफड़ों में इन्फेक्शन हो गया था और आज सुबह 7:30 बजे दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया।

हार्ट अटैक आया, 10 दिन पहले लिवर ट्रांसप्लांट हुआ था

तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने मनोज कोठारी को मेजर ध्यानचंद अवॉर्ड दिया था। तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम ने मनोज कोठारी को मेजर ध्यानचंद अवॉर्ड दिया था। कोठारी ने 1990 में वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियनशिप का खिताब जीता था। उनके बेटे सौरव भी पूर्व वर्ल्ड बिलियर्ड्स चैंपियन हैं, जिन्होंने 2025 में यह खिताब जीता था। सौरव को उनके पिता ने ही ट्रेन किया है।

रोहित के साथ फोटो के लिए फैन ने खींचा हाथ

कार की विंडो चढ़ाकर आगे बढ़े, न्यूजीलैंड सीरीज में खेलते दिखेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय कप्तान रोहित शर्मा का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में चलती कार के पास दो बच्चे आकर उनसे मिलने की कोशिश करते हैं। रोहित पहले मुस्कुराते हुए हाथ हिलाकर उनका अभिवादन करते हैं, तभी एक बच्चा उनका हाथ पकड़ लेता है।

इसके बाद दोनों बच्चे सेल्फी लेने के लिए उनका हाथ खींचने लगते हैं। इस पर रोहित ने बच्चों को समझाया और फिर कार की खिड़की बंद कर आगे बढ़ गए। रोहित टी-20 और टेस्ट फॉर्मेट से संन्यास ले चुके हैं। वे 11 जनवरी से बड़ोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे।

घरेलू क्रिकेट में रोहित शानदार फॉर्म में हैं। विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई की ओर से खेलते हुए उन्होंने सिक्किम के खिलाफ 155 रन की पारी खेली। हालांकि उत्तराखंड के खिलाफ वे खाता भी नहीं खोल पाए। साल 2025 रोहित के लिए खास रहा। उन्होंने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए। वे पहली बार ICC वनडे बैटर्स रैंकिंग में नंबर-1 बल्लेबाज बने, 20 हजार अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए और भारत को तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी जिताई।

वनडे क्रिकेट में छक्के लगाने के मामले में भी रोहित सबसे आगे हैं। नवंबर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ रांची वनडे में उन्होंने पाकिस्तान के शहीद अफरीदी का रिकॉर्ड तोड़ा। रोहित अब 279 वनडे में 355 छक्के लगा चुके हैं। 2025 में उन्होंने 14 पारियों में 650 रन बनाए। औसत 50 रहा और स्ट्राइक रेट 100 से ज्यादा। इस दौरान उनके बल्ले से दो शतक और चार अर्धशतक निकले, नाबाद 121 रन उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर रहा।

देवदत्त पदिक्कल का प्रचंड फॉर्म जारी

नई दिल्ली। देवदत्त पडिक्कल का विजय हजारे ट्रॉफी में शानदार फॉर्म जारी है। कर्नाटक के ओपनर पडिक्कल ने मंगलवार को राजस्थान के खिलाफ 91 रन की पारी खेलकर इतिहास रच दिया। बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 82 गेंदों में 91 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी के दौरान 12 चौके और दो छक्के जड़े। देवदत्त पडिक्कल ने इस दौरान मौजूदा विजय हजारे ट्रॉफी में 600 रन का आंकड़ा पार किया। वो पहले ऐसे बल्लेबाज बन गए हैं, जिन्होंने विजय हजारे ट्रॉफी के तीन सीजन में 600 या ज्यादा रन बनाए। पडिक्कल ने भारत की प्रमुख वनडे प्रतियोगिता में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करके अपनी उपयोगिता दर्शाई। विजय हजारे ट्रॉफी का 2025-26 सीजन भी देवदत्त पडिक्कल के लिए शानदार साबित हुआ। वह मौजूदा टूर्नामेंट में 600 रन का आंकड़ा पार करके एक बार फिर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन चुके हैं। देवदत्त पडिक्कल की निरंतरता उनके स्कोर में झलकती है।

डी कॉक-बेयरस्टो की शतकीय साझेदारी, सनराइजर्स टॉप पर

एसए20 में सनराइजर्स केप ने प्रिटोरिया को पहली बार हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

SA20 के चौथे सीजन में सेंचुरियन में खेले गए मुकाबले में सनराइजर्स ईस्टर्न केप ने प्रिटोरिया कैपिटल्स को पहली बार हराया। क्विंटन डी कॉक और जॉनी बेयरस्टो की नाबाद शतकीय साझेदारी की बदौलत टीम ने 177 रन का टारगेट महज 14.2 ओवर में बिना विकेट गंवाए हासिल कर लिया।

इस जीत के साथ ट्रिस्टन स्टब्स की कप्तानी वाली सनराइजर्स ईस्टर्न केप 17 अंकों के साथ एक बार फिर पॉइंट्स टेबल में टॉप पर पहुंच गई। विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए क्विंटन डी कॉक को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

इससे पहले, टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए प्रिटोरिया कैपिटल्स की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 176 रन ही बना सकी। ओपनर कॉनर एस्टरह्यूजन ने 33 गेंदों पर 52 रन बनाए, जबकि शरफेन रदरफोर्ड ने 22 गेंदों पर नाबाद 47 रन की तेज पारी खेली। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। सनराइजर्स की ओर से एनरिक नॉर्टजे ने अपने पुराने घरेलू मैदान पर 150 किमी प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट लिए। लुईस ग्रेगरी ने 4 ओवर में सिर्फ 18 रन देकर 1 विकेट झटका। एडम मिल्ने ने अंतिम से पहले ओवर में 22 रन लुटाने के बावजूद 2/36 के आंकड़े दर्ज किए, जिसमें आंद्रे रसेल का अहम विकेट शामिल रहा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सनराइजर्स की शुरुआत बेहद आक्रामक रही। डी कॉक ने 41 गेंदों पर 79 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 6 छक्के शामिल थे। वहीं, बेयरस्टो ने 44 गेंदों में 85 रन की पारी खेली और 8 चौके व 6 छक्के जड़े। बेयरस्टो ने स्पिनर केशव महाराज के एक ही ओवर में पांच छक्के और एक चौका लगाकर 34 रन बटोरे। यह ओवर SA20 इतिहास का सबसे महंगा ओवर साबित हुआ।

सनराइजर्स ईस्टर्न केप के एनरिक नोर्त्जे 3 विकेट लिए।

मनोरंजन

ट्रोलिंग पर सुधा चंद्रन ने दिया रिएक्शन

माता की चौकी से वीडियो वायरल होने पर बना था मजाक

नई दिल्ली। एक्ट्रेस और क्लासिकल डांसर सुधा चंद्रन हाल ही में माता की चौकी से सामने आए वीडियो से ट्रोलिंग का शिकार हो गईं, जिसमें वो भक्ति में लीन जोर-जोर से हंसती और बेहोश होती दिखी थीं। वीडियो वायरल होने पर एक्ट्रेस को जमकर ट्रोल किया गया था, हालांकि अब एक्ट्रेस ने कहा है कि उन्हें लोगों की बातों से कोई फर्क नहीं पड़ता है। ट्रोलिंग पर बात करते हुए सुधा चंद्रन ने जूम को दिए इंटरव्यू में कहा है, 'मैं यहां खुद को सही ठहराने नहीं आई हूं। जिंदगी को देखने का मेरा अपना नजरिया है। कुछ रिश्ते और जुड़ाव हैं, जिनका मैं सम्मान करती हूं। मुझे लोगों से कोई लेना-देना नहीं है। जो लोग ट्रोल करते हैं, अच्छी बात है, वे अपनी जिंदगी में खुश रहें। लेकिन उन लाखों लोगों का क्या, जो इससे जुड़ पाए और इसे महसूस कर सके? मेरे लिए वही लोग अहम हैं।'

आगे सुधा चंद्रन ने कहा, 'अपनी जिंदगी में मैंने कभी यह नहीं सोचा कि लोग क्या कहेंगे। मेरे एक्सीडेंट के बाद भी लोगों ने कहा था कि तुम कैसी बेवकूफी कर रही हो, ऐसी एक्टिविटी क्यों कर रही हो।

प्रभास की 'द राजा साब' का विदेशों में कमाई के मामले में जलवा पहले से ही देखने को मिल रहा

प्रभास की द राजा साब को सेंसर बोर्ड से मिला यूए16प्लस सर्टिफिकेट

नई दिल्ली। प्रभास की फिल्म 'द राजा साब' इस साल की मोस्ट अवेटेड कॉमेडी हॉरर फिल्मों में से एक है, जिसके निर्देशन की कमान यंग फिल्ममेकर मारुती संभाल रहे हैं। साउथ सुपरस्टार प्रभास के अलावा इस फिल्म में संजय दत्त, बमन ईरानी, निधि अग्रवाल, मालविका मोहन और रिद्धि कुमार भी अहम भूमिका में हैं। 'धुरंधर' की सफलता के बाद प्रभास की 'द राजा साब' से फैंस की काफी उम्मीदें जुड़ी हुई हैं। जबरदस्त टीजर और ट्रेलर के बाद अब हॉरर कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब'की रिलीज का रास्ता भी क्लियर हो गया है, क्योंकि फिल्म को सेन्ट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (CBFC) की तरफ से पास कर दिया गया है। इस फिल्म की ग्लोबल बॉक्स ऑफिस पर टक्कर थलापति विजय की 'जना नायकन' से है, जो सेम डे पर रिलीज हो रही है। द राजा साब वर्ल्डवाइड 9 जनवरी को मकरसंक्रांति के मौके पर रिलीज हो रही है।

प्रभास की हॉरर कॉमेडी 'द राजा साब' का फैंस में किस कदर क्रेज है, इस बात का अंदाजा आप इसकी प्री-रिलीज सेल से लगा सकते हैं। नॉर्थ अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम में फिल्म की अभी तक 17,500 से ज्यादा टिकट अभी तक सोल्ड आउट हो चुकी है, जिससे इसकी प्रीमियम एडवांस सेल 425,000डॉलर (3 करोड़ 83) लाख है।

'द राजा साब' को मिल गया सर्टिफिकेट

तेलुगु फिल्मीबीट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, द राजा साब को लेकर मेकर्स ने सभी फॉर्मेलिटीज पूरी कर दी हैं। सेंसर बोर्ड मेंबर्स ने प्रभास की फिल्म भी देख ली है और इसे UA16+ सर्टिफिकेट देकर पास कर दिया है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म के कुछ सीन और डायलॉग्स में छोटे-मोटे बदलाव करने के आदेश दिए हैं, जिन्हें मेकर्स ने तुरंत ही कर दिया है। प्रभास की साउथ में तो एक लंबी फैन फॉलोइंग पहले से ही थी, लेकिन बाहुबली के बाद वह हिंदी ऑडियंस के भी फेवरेट बन चुके हैं। ऐसे में उनकी 'द राजा साब', तेलुगु के अलावा हिंदी, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में भी रिलीज होगी। सेंसर बोर्ड ने फिल्म का 15 से 20 मिनट का रनटाइम का किया है। इस फिल्म का रन टाइम अब 2 घंटे 55 मिनट का है।

दिल लुमिनाटी टूर पर विवाद, पाकिस्तानी एक्ट्रेस के साथ काम करने पर देशद्रोह का आरोप

42 के हुए दिलजीत

नई दिल्ली। पंजाब के फिल्लौर तहसील के दोसांझ कलां गांव में एक साधारण सिख परिवार में जन्मे दिलजीत दोसांझ की ग्लोबल स्टार बनने की कहानी इतनी भी आसान नहीं है। उनका बचपन आर्थिक दिक्कतों के बीच गुजरा है। इसलिए सिर्फ दसवीं तक ही पढ़ाई कर पाए। दिलजीत को बचपन से गाने का शौक था और वो गुरुद्वारे में गुरबानी कीर्तन किया करते थे। अपने शुरुआती करियर में उन्होंने स्टेज शो से लेकर शादी में परफॉर्मेंस भी दी। दिलजीत ने अपने करियर की शुरुआत पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री से की। हालांकि शुरुआत में उन्हें सफलता नहीं मिली। पंजाबी म्यूजिक इंडस्ट्री और फिल्मों में सफल होने के बाद जब दिलजीत ने बॉलीवुड में कदम रखा तो लोगों ने तंज कसना शुरू किया कि पगड़ी वालों को बॉलीवुड में हीरो का रोल नहीं मिल पाएगा।

सक्सेस के साथ-साथ दिलजीत समय-समय पर विवादों में भी रहे हैं। उन पर पंजाबी युवाओं की गलत छवि को बढ़ावा देने के आरोप लगे, तो किसान आंदोलन के दौरान किसानों का समर्थन कर विवादों में आ गए। पाकिस्तानी एक्ट्रेस के साथ काम किया तो उन पर देशद्रोह के आरोप लगे। उनकी आने वाली फिल्म 'बॉर्डर 2' पर भी सवाल उठने लगे थे कि क्या दिलजीत जैसे कलाकार को एक देशभक्ति से जुड़ी आइकॉनिक फिल्म का हिस्सा होना चाहिए या नहीं।

गांव की मिट्टी का मान बढ़ाने के लिए बदला अपना सरनेम

दिलजीत को बचपन से ही संगीत में रुचि थी। वे गुरुद्वारों में शबद-कीर्तन गाया करते थे, जिसने उनकी गायकी को मजबूत आधार दिया। उनके पिता बलवीर सिंह बस ड्राइवर और मां सुखविंदर कौर हाउसवाइफ थीं। दिलजीत का असली नाम दलजीत सिंह है जिसे उन्होंने बाद में बदलकर दिलजीत दोसांझ कर लिया। ऐसा उन्होंने अपने एक दोस्त राजिंदर सिंह के सुझाव पर किया। राजिंदर सिंह ने दिलजीत की गायकी को शुरुआती दौर में पहचाना और उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। दिलजीत दोसांझ ने अपना नाम दलजीत सिंह से बदलकर दिलजीत कर दिया। सरनेम भी उन्होंने अपने जन्मस्थान दोसांझ कलां के नाम पर करके दिलजीत दोसांझ रख लिया।

विक्रम भट्ट की एफआईआर रद्द करने की मांग खारिज

राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा- ये कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन नहीं

नई दिल्ली। पॉपुलर फिल्ममेकर विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी करोड़ों की धोखाधड़ी के मामले में जेल में बंद हैं। हाल ही में विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी के खिलाफ FIR रद्द करने के लिए एक याचिका दायर की गई थी, जिसे राजस्थान हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है।

राजस्थान हाईकोर्ट में याचिका में हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस समीर जैन ने इस मामले में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया और कहा कि धोखाधड़ी का ये मामला महज कॉन्ट्रैक्ट का उल्लंघन नहीं है, बल्कि ये जानबूझकर की गई धोखाधड़ी का है। इस मामले में पुलिस जांच जारी रहेगी।

विक्रम भट्ट की याचिका में FIR रद्द करने का अनुरोध करते हुए कहा गया था कि ये मामला आपराधिक नहीं है। उनके वकील ने सुनवाई के दौरान दलील दी थी कि ये मामला धोखाधड़ी की नहीं बल्कि दो पार्टी के बीच हुए कॉन्ट्रैक्ट के उल्लंघन का है। उन्होंने अपील की थी कि समझौते के तहत विवाद को सुलझाने का अधिकार मुंबई में होना चाहिए न कि राजस्थान में। बता दें विक्रम भट्ट और उनकी पत्नी श्वेतांबरी 7 दिसंबर से जेल में बंद हैं। उन्होंने दो बार जमानत याचिका दायर की थी, हालांकि दोनों बार उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई। राजस्थान के इंदिरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के मालिक डॉ. अजय मुर्डिया ने 17 नवंबर को विक्रम भट्ट समेत 8 लोगों के खिलाफ 30 करोड़ की धोखाधड़ी की FIR उदयपुर में दर्ज कराई थी।

बोले- यूएस मादुरो को पकड़ सकता है तो ताइवान पर चीन कब्जा क्यों नहीं कर सकता

वेनेजुएला में अमेरीकी एक्शन की चीनी सोशल मीडिया पर तारीफ

प्रशंसा

बीजिंग, एजेंसी

अमेरिकी सेना की डेल्टा फोर्स के एलीट कमांडो वेनेजुएला में राष्ट्रपति को अगवा करने की आखिरी तैयारी कर रहे थे। ठीक उसी वक्त राष्ट्रपति निकोलस मादुरो चीन के लैटिन अमेरिका मामलों के अधिकारी किउ शियाओची के साथ फोटो खिंचवा रहे थे। CNN की एक रिपोर्ट के मुताबिक निकोलस मादुरो ने चीनी अधिकारी से कहा कि शी जिनपिंग उनके लिए एक बड़े भाई की तरह हैं। इस घटना के कुछ ही घंटे बाद अमेरिकी सेना मादुरो को उनके बेडरूम से खींचकर अपने देश लेकर

चले गए। इस घटना के बाद चीन भले ही चिंतित और नाराज है लेकिन वहां की सोशल मीडिया पर ऑपरेशन वेनेजुएला की तारीफ हो रही है। कई यूजर्स इसे ताइवान पर चीनी सैन्य कब्जे के लिए एक मॉडल के रूप में देख रहे हैं। चीन और वेनेजुएला के बीच दशकों से करीबी रिश्ता रहा है। ये रिश्ते दोनों की कम्युनिस्ट विचारधारा और अमेरिका विरोध के आधार पर बना। वेनेजुएला के तेल निर्यात का बड़ा हिस्सा चीन जाता है। चीनी कंपनियां वेनेजुएला में बड़े पैमाने पर इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और निवेश को फंड करती हैं।

वेनेजुएला की तरह, ताइवान पर कब्जा करने की सलाह

चीन के सोशल मीडिया पर अमेरिकी कार्रवाई को लेकर जबरदस्त हलचल और चर्चा देखने को मिली। कई लोग सवाल कर रहे हैं कि अगर अमेरिका अपने (बैकयार्ड) इलाके के किसी देश के नेता को पकड़ सकता है, तो चीन ऐसा क्यों नहीं कर सकता?

चीनी सोशल मीडिया पर कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि अमेरिका के ऑपरेशन और ताइवान के मामले में तुलना करना गलत है। वेनेजुएला का मामला अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है, जबकि ताइवान चीन का आंतरिक मामला है।

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो ने 2 जनवरी को वेनेजुएला के कराकस स्थित मिराफ्लोरेस पैलेस में लैटिन अमेरिका के लिए चीन के दूत किउ जिओकी से मुलाकात की थी।

मादुरो की गिरफ्तारी से चीन नाराज

चीन ने मादुरो की गिरफ्तारी की तुरंत निंदा की और वॉशिंगटन पर 'दुनिया का पुलिसवाला' बनने का आरोप लगाया। चीन ने अमेरिकी छापे को गलत बताया और मादुरो व उनकी पत्नी की तुरंत रिहाई की मांग की। सोमवार को चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री से मुलाकात के दौरान अमेरिका पर इशारों-इशारों में हमला बोला। उन्होंने कहा कि अमेरिका का एकतरफा दबाव और धमकी देने वाला रवैया पूरी दुनिया की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहा है। शी जिनपिंग ने कहा कि हर देश को यह हक होना चाहिए कि वह अपने विकास का रास्ता खुद चुने। उन्होंने यह भी कहा कि सभी देशों को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के नियमों का पालन करना चाहिए। खासकर बड़ी ताकतों को दूसरों के लिए मिसाल बनना चाहिए।

पीवीसी आधार कार्ड बनवाने की फीस 25 बढ़ी

अब इसके लिए 75 चार्ज देना होगा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (UIDAI) ने आधार PVC कार्ड बनवाने की फीस बढ़ा दी है। अब इसके लिए 50 रुपए की जगह 75 रुपए देने होंगे। नई दरें 1 जनवरी 2026 से लागू हो गई हैं। UIDAI के अनुसार, मैटेरियल, प्रिंटिंग और सिक्योर डिलीवरी का खर्च बढ़ने की वजह से यह फैसला लिया गया है।

आधार PVC कार्ड एक तरह का प्लास्टिक कार्ड होता है, जिस पर आधार कार्ड की जानकारियों को प्रिंट किया जाता है। यह कार्ड आपके एटीएम या डेबिट कार्ड की तरह आसानी से वॉलेट में आ जाएगा। इसके जल्दी खराब होने की भी चिंता नहीं होगी।

आधार PVC कार्ड, आधार का एक टिकाऊ और आसानी से साथ

ले जाने वाला फॉर्मेट है। यह दिखने में बिल्कुल किसी क्रेडिट कार्ड या डेबिट कार्ड जैसा होता है। इसे पॉलीविनाइल क्लोराइड (PVC) से बनाया जाता है, जिससे यह पानी और सामान्य टूट-फूट से सुरक्षित रहता है। इसमें कई सिक्योरिटी फीचर्स भी होते हैं, जैसे एक सिक्योर QR कोड, होलोग्राम, घोस्ट इमेज और माइक्रोटेक्स्ट। अगर आप ऑनलाइन नहीं बनवाना चाहते तो आप इसे ऑफलाइन भी बनवा सकते हैं। इसके लिए आपको आधार केंद्र जाना होगा।

अडाणी का 1,000 करोड़ का बॉन्ड सिर्फ 45 मिनट में भरा

8.90% तक सालाना ब्याज मिलेगा, फंड का इस्तेमाल इंफ्रा प्रोजेक्ट्स में होगा

मुंबई, एजेंसी

अडाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड (AEL) का 1,000 करोड़ का बॉन्ड सिर्फ 45 मिनट में ही पूरा सब्सक्राइब हो गया। इसमें निवेशकों को 8.9% तक का सालना ब्याज मिलेगा। कंपनी का यह नॉन-कन्व-र्टिबल डिबेंचर्स (NCD) यानी पब्लिक इश्यू मंगलवार (6 जनवरी) को सुबह 10 बजे खुला था। स्टॉक एक्सचेंज के डेटा के मुताबिक, 500 करोड़ का बेस इश्यू तो शुरुआती 10 मिनट में ही भर गया था।

इसके बाद ग्रीन-शू ऑप्शन के तहत बाकी 500 करोड़ के लिए भी एक घंटे से कम समय में ही बोलियां लग गईं। कंपनी इस फंड का इस्तेमाल मुख्य रूप से अपना पुराना

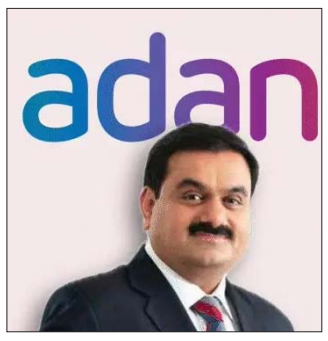

कर्ज चुकाने और बिजनेस विस्तार के लिए करेगी। NCD में निवेश करने के लिए कम से कम 10,000 रुपए लगाने थे। इसके बाद 1,000 रुपए के मल्टीपल में निवेश बढ़ाया जा सकता था। कंपनी ने निवेशकों के लिए 24 महीने (2 साल), 36 महीने (3 साल) और 60 महीने (5 साल) के तीन टेन्योर (समय सीमा) तय किए।

रिटेल निवेशकों के लिए इश्यू का 35% हिस्सा रिजर्व था

बॉन्ड इश्यू 19 जनवरी तक के लिए ओपन था, लेकिन यह 45 मिनट में ही पूरा सब्सक्राइब हो गया। ये डिबेंचर्स BSE और NSE पर लिस्ट होंगे, जिससे निवेशक जरूरत पड़ने पर इन्हें बेच भी सकेंगे।

रिटेल निवेशकों यानी, आम लोगों के लिए कुल इश्यू का 35% हिस्सा रिजर्व रखा गया था। यह कंपनी का तीसरा पब्लिक बॉन्ड इश्यू है। इससे पहले 2024 और 2025 के इश्यू को भी निवेशकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला था।

सत्ता गंवाने का डर, बेटे और साथियों के साथ 20 लोग भी तैयार

ईरानी सुप्रीम लीडर खामेनेई रूस भागने की फिराक में

दावा

तेहरान, एजेंसी

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई ने देश में चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच रूस भागने की योजना तैयार कर ली है। अगर प्रदर्शनों को रोका नहीं जा सका, तो खामेनेई देश छोड़ देंगे।

ब्रिटिश अखबार 'द टाइम्स' को मिली एक खुफिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 86 साल के खामेनेई अपने बेटे और उत्तराधिकारी मुजतबा समेत करीब 20 लोगों के छोटे दल के साथ तेहरान छोड़ सकते हैं।

ईरान में आठ दिन से खामेनेई के खिलाफ प्रदर्शन जारी हैं। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक 78 शहरों के 222 से ज्यादा स्थानों पर प्रदर्शन हो चुके हैं। इनमें कम से कम 35 लोगों की मौत हुई है। वहीं 1200 से अधिक लोगों को हिरासत में लिया गया है। पिछले

ईरान में महंगाई से आम लोगों में नाराजगी बढ़ी

देशभर में GenZ आक्रोश में है। इसका कारण आर्थिक बदहाली रहा है। दिसंबर 2025 में ईरानी मुद्रा रियाल गिरकर करीब 1.45 मिलियन प्रति अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गई, जो अब तक का सबसे निचला स्तर है। साल की शुरुआत से रियाल की कीमत लगभग आधी हो चुकी है। यहां महंगाई चरम पर पहुंच गई है। खाद्य वस्तुओं की कीमतों में 72% और दवाओं की कीमतों में 50% तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

हफ्ते अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने

देश छोड़ने के लिए पहले से तैयार खामेनेई

खामेनेई कई चैरिटेबल फाउंडेशनों के जरिए अरबों डॉलर की संपत्ति पर नियंत्रण रखते हैं। इनमें 'सेताद' नाम की संस्था प्रमुख है, जिसकी वैल्यू पहले भी कई अरब डॉलर आंकी गई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि शासन से जुड़े कई वरिष्ठ नेताओं के रिश्तेदार पहले से ही अमेरिका, कनाडा और खाड़ी देशों में रह रहे हैं। खुफिया सूत्रों के अनुसार, इस योजना के तहत विदेशों में संपत्तियां, प्रॉपर्टी और कैश पहले से सुरक्षित कर लिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत देश छोड़ा जा सके।

ईरान को चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई की गई तो अमेरिका कड़ी प्रतिक्रिया देगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, हम पूरी तरह तैयार हैं।

बांग्लादेश में 18 दिन में छठे हिंदू की हत्या

दुकानदार पर धारदार हथियार से हमला, बढ़ती हिंसा को लेकर फेसबुक पोस्ट किया था

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के नरसिंदी जिले में सोमवार रात एक हिंदू दुकानदार की धारदार हथियारों से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 40 वर्षीय शरत चक्रवर्ती मणि के रूप में हुई है। यह बीते 18 दिनों में छठे हिंदू व्यक्ति की हत्या है।

शरत चक्रवर्ती मणि पलाश उपजिला के चारसिंदूर बाजार में अपनी किराना दुकान चला रहे थे। इसी दौरान अचानक पहुंचे अज्ञात हमलावरों ने उन पर धारदार हथियारों से हमला कर दिया और मौके से फरार हो गए।

गंभीर रूप से घायल मणि को अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। 19 दिसंबर को मणि ने फेसबुक पर एक पोस्ट लिखकर देश में बढ़ती

बांग्लादेश में हिंदू दुकानदार शरत चक्रवर्ती मणि की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई।

हिंसा पर चिंता जताई थी और अपने इलाके को मौत की घाटी बताया था। बांग्लादेश में 3 जनवरी को 44 साल की एक हिंदू विधवा महिला से गैंगरेप किया गया। आरोपियों ने रेप के बाद उसे पेड़ से बांधकर पीटा। यह घटना बांग्लादेश के झेनाइदह जिले के कालीगंज इलाके में हुई। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है और बाकी आरोपियों की तलाश जारी है। पीड़ित

कल ही एक और हिंदू की गोली मारकर हत्या

5 जनवरी को ही जेसोर जिले में भी एक हिंदू व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मोनिरामपुर इलाके में एक आइस फैक्ट्री मालिक राणा प्रताप बैरागी की सार्वजनिक रूप से हत्या हुई। वे कपलिया बाजार में आइस फैक्ट्री चलाते थे और दैनिक बीडी खबर'अखबार के कार्यकारी संपादक भी थे। रिपोर्ट के मुताबिक, बाइक पर सवार तीन हमलावर उन्हें फैक्ट्री से बाहर बुलाकर एक गली में ले गए और सिर में नजदीक से गोली मारकर फरार हो गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बदमाश गोली मारने के बाद मौके से फरार हो गए। बाद में पुलिस ने घटनास्थल से सात खाली कारतूस बरामद किए। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के कारणों का फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है।

महिला ने सोमवार दोपहर कालीगंज पुलिस थाने में 4 लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज

अस्पताल पहुंचने के बाद डॉक्टर्स ने शरत चक्रवर्ती मणि को मृत घोषित कर दिया।

कराई। पुलिस ने जिस एक आरोपी हसन (45 साल) को हिरासत में लिया है, वह उसी इलाके के एक गांव का रहने वाला है।

आरोप है कि इस दौरान महिला के बाल काट दिए गए, उसके साथ मारपीट की गई और पूरी घटना का मोबाइल से वीडियो बनाया गया।

रिलायंस ने रूसी तेल आने की खबर को गलत बताया

कंपनी बोली- यह पूरी तरह से झूठा, हमारी छवि खराब करने की कोशिश

मुंबई, एजेंसी

मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज (RIL) ने उन मीडिया रिपोर्ट्स को पूरी तरह से झूठा और गलत बताया है, जिनमें दावा किया गया था कि रूसी तेल से लदे जहाज उसकी जामनगर रिफाइनरी आ रहे हैं।

कंपनी ने शनिवार को एक बयान जारी कर कहा कि यह खबर उसकी छवि खराब करने वाली है। रिलायंस ने साफ किया है कि पिछले तीन हफ्तों में उसे रूस से कोई तेल कार्गो नहीं मिला है और जनवरी में किसी भी रूसी क्रूड ऑयल की डिलीवरी की उम्मीद नहीं है।

रिलायंस ने अपने ऑफिशियल एक्स (पहले ट्विटर) हैंडल पर एक

पोस्ट में कहा कि एक न्यूज रिपोर्ट जिसमें 'रूसी तेल से लदे तीन जहाज रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर रिफाइनरी की ओर आ रहे हैं' का दावा किया गया है, वह पूरी तरह से असत्य है। कंपनी ने अपने बयान में कड़े शब्दों का इस्तेमाल करते हुए कहा, 'रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर रिफाइनरी को लगभग पिछले तीन हफ्तों में कोई रूसी तेल कार्गो नहीं मिला है। हम जनवरी में किसी भी रूसी क्रूड ऑयल की डिलीवरी की उम्मीद भी नहीं कर रहे हैं।'

कंपनी ने इस बात पर भी गहरी निराशा जताई कि रिपोर्ट पब्लिश करने से पहले उसके पक्ष को नजर-अंदाज किया गया। रिलायंस ने कहा कि हमें इस बात का दुख है कि जो लोग निष्पक्ष पत्रकारिता में सबसे आगे होने का दावा करते हैं, उन्होंने जनवरी में किसी भी रूसी तेल की डिलीवरी से इनकार करने वाले हमारे बयान को नजरअंदाज किया और हमारी छवि खराब करने वाली एक गलत रिपोर्ट प्रकाशित की।'

नेपाल में भारतीय सीमा के पास फिर हिंसा भड़की

हाई अलर्ट के बाद बॉर्डर सील

नई दिल्ली, एजेंसी

पड़ोसी देश नेपाल एक बार फिर हिंसा की चपेट में आ गया है। भारतीय सीमा से सटे नेपाल के पारसा और धनुषा धाम जिले में हिंसा भड़क उठी है। पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी किया गया है। इसी बीच भारत-नेपाल सीमा भी सील कर दी गई है। धनुषा जिले में मस्जिद में तोड़-फोड़ के बाद नेपाल में सांप्रदायिक हिंसा शुरू हो गई है, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर भी सामने आई हैं। पारसा के बीरगंज में हिंसक प्रदर्शन पर काबू पाने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे हैं। पारसा जिले की सीमा बिहार के रक्सौल जिले से लगती है। दक्षिणी नेपाल में सीमा से आवाजाही रोकने के लिए भारतीय सीमा भी सील कर दी गई है। नेपाल पुलिस के अनुसार, धनुषा के सखुवा मारान

इलाके में कुछ लोगों ने मिलकर मस्जिद में तोड़-फोड़ शुरू कर दी। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया, जिसके जवाब में हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत फैलाने वाले बयान सामने आए। सोशल मीडिया से प्रभावित होकर मुस्लिम समुदाय के युवाओं ने हिंसक प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने धनुषा में टायर जलाकर विरोध जताया। पुलिस का कहना है, जब पुलिस ने हालात पर काबू पाने की कोशिश की, तो प्रदर्शनकारी पुलिस पर भी पत्थरबाजी करने लगे।

पेशी: आरोपों से इनकार, गिरफ्तारी को अवैध बताया, विपक्षी नेता मारिया मचाडो जल्द वेनेजुएला लौटेंगी

अमेरिकी कोर्ट में मादुरो बोले मुझे किडनैप किया गया

न्यूयॉर्क, एजेंसी

वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को सोमवार रात न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में पेश किया गया। उन्होंने कोर्ट में अपने खिलाफ लगे ड्रग्स और हथियार तस्करी से जुड़े सभी आरोपों से इनकार किया।

CNN के मुताबिक, मादुरो ने अदालत में अपनी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताया और कहा कि मुझे किडनैप किया गया है। पहली सुनवाई में मादुरो ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा,

मैं अपराधी नहीं हूं। मैं एक सम्मानित व्यक्ति हूं और अब भी अपने देश का राष्ट्रपति हूं।

मादुरो को सोमवार रात कड़ी सुरक्षा के बीच न्यूयॉर्क की फेडरल कोर्ट में पेश किया गया।

मादुरो के वकीलों ने अमेरिकी कार्रवाई को सैन्य अपहरण बताया है। उन्होंने कहा कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून और कानूनी प्रक्रिया का उल्लंघन है। अगली सुनवाई 17 मार्च को होगी। दूसरी तरफ वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया मचाडो ने ऐलान किया है कि वे

मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस भी पेश हुईं

मादुरो की पत्नी सीलिया फ्लोरेस भी अदालत में पेश हुईं। उनके चेहरे पर चोट के निशान और पट्टी बंधी थी। उन्होंने खुद को वेनेजुएला की प्रथम महिला बताया और सभी आरोपों से इनकार किया। मादुरो और उनके सहयोगियों पर नशा तस्करों और आतंकी गिरोहों के साथ मिलकर अमेरिका में कोकीन पहुंचाने की साजिश रचने का आरोप है। मादुरो पर मशीनगन रखने का भी आरोप है, जिसके लिए लंबी सजा हो सकती है। चार्जशीट में मादुरो के बेटे निकोलस मादुरो गुएरा, गृह मंत्री डियोसडाडो काबेलो और कुख्यात गैंग 'त्रेन दे अरागुआ' के सरगना हेक्टर गुरेरो फ्लोरेस का नाम भी शामिल है। अमेरिका इस गैंग को विदेशी आतंकी संगठन मानता है।

जल्द ही देश वापस लौटेंगीं। मचाडो ने दावा किया कि अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज को वेनेजुएला की जनता

मादुरो के पैरों में बेड़ियां थीं

सुनवाई के दौरान मादुरो के पैरों में बेड़ियां लगी हुई थीं। वह और उनकी पत्नी एक ही मेज पर बैठे थे और दोनों ने हेडफोन लगाए थे ताकि अदालत में कही जा रही बातों को अपनी भाषा में समझ सकें। जज ने अदालत में दोनों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को पढ़कर सुनाया। इससे पहले मादुरो को लेकर एक हेलिकॉप्टर से अदालत के पास बने हेलिपैड पर उतरा गया था। हेलिकॉप्टर से उतरते ही उन्हें तुरंत एक वैन में बैठाया गया और वहां से सीधे अदालत ले जाया गया।

का समर्थन नहीं है और देश की जनता विपक्ष के साथ है।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96